लखनऊ

शनिवार, 30 अगस्त, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 50

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मैं श्रेष्ठ हूँ" यह आत्मविश्वास है लेकिन...। सिर्फ मैं ही श्रेष्ठ हूँ" यह अहंकार है !

TODAY WEATHER

DAY 37° NIGHT 26°

Hi Low

संक्षेप

दिल्ली के बाद पंजाब की सत्ता से बेदखल होंगे अरविंद केजरीवाल : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पार्टी के सभी विधायकों, निगम पार्षदों और सभी पूर्व प्रत्याशियों के साथ मुलाकात की। केजरीवाल की इस मुलाकात पर भाजपा ने तंज कसा है। दिल्ली भाजपा चीफ वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली के बाद अब पंजाब की सत्ता से भी बेदखल होने वाले हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि अरविंद केजरीवाल अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं और उन्हें पता है कि दिल्ली के बाद पंजाब भी उनके हाथ से निकल रहा है। इसीलिए तो उनकी मीटिंग में कई विधायक और पार्षद भी नहीं पहुंचे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा को धोखा यात्रा करार देते हुए वीरेंद्र सचदेवा ने जोरदार हमला बोला। उन्होंने उस घटना को शर्मनाक करार दिया है, जिसमें पीएम मोदी को लेकर आपत्तिजनक बातों का प्रयोग किया गया। सचदेवा ने कहा कि राहुल गांधी को शर्म आनी चाहिए कि उनकी यात्रा के दौरान भाषा की मर्यादा टूटी। अब उनके प्रवक्ता बहाने बनाने और बकवास करने की कोशिश करते हैं। गंभीरता से सवाल उठाया जाना चाहिए कि क्या ऐसे लोग समाज में रहने के लायक हैं। इस पर भी सोचना चाहिए।

राजधानी से भी तेज, सुविधाओं में हवाई जहाज जैसी

प्रयागराज। भारतीय रेल के यात्रियों का एक लंबा इंतजार अब खत्म होने वाला है। देश की पहली शाही स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन दिवाली से पहले पटरियों पर दौड़ने के लिए तैयार है। यह ट्रेन न सिर्फ मौजूदा राजधानी एक्सप्रेस से ज्यादा तेज होगी, बल्कि सुविधाओं के मामले में भी उसे कहीं पीछे छोड़ देगी। रेलवे ने इस ट्रेन को नई दिल्ली से पटना के बीच चलाने की तैयारी पूरी कर ली है और इसका ठहराव प्रयागराज में भी होगा, जो संगम नगरी के यात्रियों के लिए एक बड़ी सौगात है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, देश की पहली सेमी-हाई स्पीड वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का संचालन दिवाली से पहले शुरू कर दिया जाएगा। यह ट्रेन पटना से नई दिल्ली के बीच चलेगी और इसका ठहराव पंडित दीन दयाल उपाध्याय, प्रयागराज एवं कानपुर सेंट्रल स्टेशनों पर होगा। इसे पटना से रात 8 बजे चलाने की तैयारी है, जो अगले दिन सुबह 7 :30 बजे नई दिल्ली पहुंच जाएगी। इस सफर को पूरा करने में स्लीपर वंदे भारत लगभग 11 घंटे 40 मिनट का समय लेगी, जबकि राजधानी एक्सप्रेस को यही दूरी तय करने में 12 :30 घंटे लगते हैं। यह ट्रेन अधिकतम 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के लिए डिजाइन की गई है और इसका ट्रायल रन भी पूरा हो चुका है। माना जा रहा है कि इसकी शाही सुविधाओं और तेज गति के कारण इसका किराया राजधानी एक्सप्रेस के मुकाबले 10 से 15 फीसदी तक अधिक हो सकता है। ट्रेन का सेट दिल्ली के शकरपुर शेड में पहुंच चुका है, जो इसके जल्द शुरू होने का संकेत है। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए इसमें सीसीटीवी कैमरे, एलईडी स्क्रीन, ऑटोमैटिक दरवाजे, फायर सेफ्टी सिस्टम के साथ-साथ सार्वजनिक उद्घोषणा और विजुअल डिस्प्ले जैसी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो सफर के अनुभव को पूरी तरह बदल देगी।

भारतीय टैलेंट और जापानी तकनीक एक-दूसरे के लिए बने: जापानी पीएम

जापान की टेक्नोलॉजी और भारत का टैलेंट मिलकर लाएंगे नई क्रांति: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के जापान दौरे पर हैं। टोक्यो में पीएम मोदी भारत और जापान की जॉइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित कर रहे हैं, उन्होंने जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट को पावरहाउस बताते हुए देश की तस्वीर बदलने की बात कही है। भारत के विकास में जापान एक अहम पार्टनर रहा है, प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के बिजनेस लीडर्स से 'भारत में निर्माण करो, विश्व के लिए बनाओ' का भी आह्वान किया है।

भारत ने सेमीकंडक्टर, एआई, बायोटेक, क्वांटम कंप्यूटिंग और अंतरिक्ष के क्षेत्र में साहसिक और महत्वाकांक्षी पहल की है। जापान की तकनीक और भारत की प्रतिभा मिलकर तकनीकी क्रांति का नेतृत्व कर सकते हैं। भारत और जापान ने स्वच्छ ईंधन और हरित भविष्य पर सहयोग के लिए ज्वाइंट क्रेडिट मैकेनिज्म पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक और मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग तक हर क्षेत्र में भारत की जापान के साथ साझेदारी विश्वास का एक प्रतीक है। भारत-जापान साझेदारी की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जापानी कंपनियों ने पिछले दो सालों में ही भारत में 13 अरब डॉलर (लगभग 11 हजार 420 करोड़) का निवेश किया है।

भारत बनेगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज भारत में राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक स्थिरता, नीतियों में पारदर्शिता और पूर्वानुमानशीलता है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और बहुत जल्द यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत में तेजी से विदेशी कंपनियों निवेश बढ़ा रही हैं और भारत में कैपिटल कई गुना तक बढ़ जाती है। उन्होंने आगे जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि लगभग 80 फीसदी कंपनियां ऐसी हैं जो भारत में विस्तार करना चाहती हैं, इनमें से 75 फीसदी कंपनियां मुनाफे में हैं।

जापान की तकनीक और भारत की प्रतिभा से आर्थिक संबंध मजबूत ; बोले जापान के पीएम इशिबा

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान की तकनीक और भारत की प्रतिभा ने आर्थिक संबंधों को विस्तार दिया है। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने शुक्रवार को भारत-जापान आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जापान ने मेक इन इंडिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत और जापान एक-दूसरे के पूरक

इशिबा ने कहा कि जापान की उन्नत तकनीक और भारत की उत्कृष्ट प्रतिभा एक-दूसरे की पूरक हैं। इससे हमारे आर्थिक संबंधों का विस्तार हो रहा है। कई जापानी कंपनियां मेक इन इंडिया पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आज हमारी कंपनियों के बीच नए सहयोग दस्तावेजों पर हस्ताक्षर, भारत में अपने निवेश को आगे बढ़ाने और सहयोग को मजबूत करने के लिए जापान की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह प्रमाण देता है कि हम दोनों देशों को इर्द-गिर्द केंद्रीत अपनी आपूर्ति श्रृंखला का लगातार निर्माण कर रहे हैं।

उन्होंने प्रमुख पहलों का जिक्र किया

उन्होंने कहा कि प्रमुख पहलों में लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देना, प्रधानमंत्री मोदी की

आत्मनिर्भर भारत नीति के तहत तकनीक और बाजारों का लाभ उठाना, और सेमीकंडक्टर, जैव ईंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग करना शामिल है। एआई, अंतरिक्ष और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भी प्रयास जारी हैं। दोनों सरकारें इन पहलों का समर्थन करती हैं। इनका उद्देश्य अनिश्चित वैश्विक अर्थव्यवस्था में लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ावा देना है।

वाराणसी यात्रा को किया याद

इशिबा ने आगे कहा कि वह सहयोग और लोगों के बीच संबंधों में वृद्धि देखना चाहते हैं। उन्होंने अपनी वाराणसी यात्रा का भी जिक्र किया और प्रौद्योगिकी एवं संस्कृति के मेल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि भविष्य में हमारा द्विपक्षीय सहयोग निरंतर विकसित होता रहे। प्रधानमंत्री मोदी 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 29-30 अगस्त तक जापान की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे।

राहुल में जरा भी शर्म बची है तो माफी मांगें पीएम को अपशब्द कहने पर भड़के अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में विपक्षी गठबंधन के एक कार्यक्रम के दौरान शुक्रवार को नरेंद्र मोदी और उनकी माता के खिलाफ कथित अपमानजनक शब्दों के प्रयोग पर गृहमंत्री अमित शाह ने गुवाहाटी में आयोजित एक जनसभा में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी में अगर थोड़ी भी शर्म बाकी है तो उन्हें पीएम नरेंद्र मोदी और देश से माफी मांगनी चाहिए। उनके द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माता जी के प्रति की गई अपमानजनक टिप्पणी की मैं कड़ी निंदा करता हूं। यह सब राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के इशारे पर हुआ है। पीएम मोदी और उनकी मां को अपशब्द कहना बहुत निंदनीय है।

गृहमंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माताजी ने अत्यंत गरीब जीवन जिया। उन्होंने अपने बच्चों को संस्कार, मेहनत और ईमानदारी जैसे मूल्यों के साथ पाला और उनका एक बेटा आज भरोसेमंद नेता है। ऐसे जीवन पर आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राजनीति के अंदर इससे बड़ी गिरावट नहीं हो सकती।

> मैं राहुल गांधी से पूछता हूँ कि अगर थोड़ी भी शर्म बची है, तो प्रधानमंत्री मोदी और उनकी दिवंगत मां से माफ़ी मांगें। शाह ने आगे कहा कि कई कांग्रेस नेताओं ने अतीत में प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है।
>
> गृहमंत्री अमित शाह

गृहमंत्री अमित शाह का राहुल गांधी पर तीखा हमला

गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माता के लिए जिस प्रकार के शब्दों का उपयोग राहुल गांधी के मंच से किया गया वह अत्यंत निंदनीय और दुखद है। राहुल गांधी ने नकारात्मक राजनीति की शुरुआत की है। उन्होंने घुसपैठिए बचाओ यात्रा की शुरुआत की है। मतदाता सूची में अवैध घुसपैठियों को शामिल करने का प्रयास चुनाव को दूषित करने की कोशिश है। प्रधानमंत्री को जितनी गालियां दी जाएंगी उतना ही अधिक कमल खिलेगा।

बीजेपी का विरोध प्रदर्शन और कांग्रेस से झड़प

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा के मंच से पीएम मोदी और उनकी मां को गोली देने का वीडियो वायरल है। इस मामले में केस भी दर्ज हुआ है। पीएम मोदी को अपशब्द कहने पर कांग्रेस और आरजेडी के खिलाफ बीजेपी के जमकर हल्ला बोला है। बीजेपी ने कांग्रेस मुख्यालय के सामने प्रदर्शन किया। जिसके बाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से भिड़ंत भी हो गई।

घटती आबादी का दिखने लगा असर, स्कूलों में 49 लाख बच्चे हुए कम ; सरकारी संस्थानों पर सबसे ज्यादा मार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के शैक्षणिक परिदृश्य को लेकर एक चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। लगातार दूसरे साल स्कूलों में दाखिला लेने वाले बच्चों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में पिछले वर्ष की तुलना में 11 लाख कम बच्चों ने स्कूलों में दाखिला लिया है। इन आंकड़ों का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि एक तरफ जहां सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों से बच्चों का मोहभंग हो रहा है, वहीं दूसरी ओर निजी स्कूलों में दाखिले के लिए भीड़ उमड़ पड़ी है। यह रुझान अभिभावकों की बदलती प्राथमिकताओं की ओर स्पष्ट संकेत कर रहा है। जिला स्तर पर जुटाए गए आंकड़ों (ष्ठढ्ढस्श्व+) के मुताबिक, प्री-प्राइमरी से लेकर हायर सेकेंडरी तक, 2024-25 में कुल 24.69 करोड़ नामांकन हुए। यह आंकड़ा 2023-24 में 24.80 करोड़ और 2022-23 में 25.18 करोड़ था। इस तरह देखें तो पिछले दो वर्षों में स्कूली बच्चों की संख्या में 49 लाख की भारी कमी आई है।

सरकारी बनाम प्राइवेट का अंतर बढ़ा

आंकड़े साफ दिखाते हैं कि सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। 2022-23 में जहां सरकारी स्कूलों में 12.75 करोड़ बच्चे थे, वहीं 2024-25 में यह संख्या 59 लाख घटकर 12.16 करोड़ रह गई। इसके ठीक विपरीत, निजी स्कूलों ने बड़ी छलांग लगाई है। 2022-23 में निजी स्कूलों में 8.42 करोड़ बच्चे थे, जो 2024-25 में बढ़कर 9.59 करोड़ हो गए।

मंत्रालय ने बताई घटती जन्मदर की आशंका

नामांकन में इस गिरावट पर शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि इसका एक संभावित कारण देश में घटती जन्मदर हो सकता है। मंत्रालय ने कहा कि प्री-प्राइमरी स्तर पर दाखिलों में कमी सीधे तौर पर जनसंख्या वृद्धि दर में कमी की ओर इशारा करती है। हालांकि, इसकी अंतिम पुष्टि नई जनगणना के आंकड़ों के बाद ही हो सकेगी। यह डेटा जनसंख्या विज्ञानियों के उन अनुमानों को भी बल देता है जो लंबे समय से कह रहे हैं कि भारत में जन्मदर कम हो रही है। महंगी शिक्षा, स्वास्थ्य और बढ़ते खर्चों के कारण अब परिवार कम बच्चे पैदा करने को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिसका असर अब स्कूली दाखिलों पर भी साफ दिखने लगा है।

'मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है ...'

पटना में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनावी राज्य बिहार में राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर पटना में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प के बाद, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सत्य और अहिंसा की जीत होती है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स को लेते हुए हिंदी में लिखा कि सत्य और अहिंसा के आगे। असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। उन्होंने कहा कि मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है - हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते।

चुनावी राज्य बिहार में राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणियों के विरोध में केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस कार्यालय पर धावा बोलने के बाद पटना में झड़प हो गई। एक वीडियो में दोनों दलों के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अपनी-अपनी पार्टी के झंडों से एक-दूसरे पर हमला करते दिख रहे हैं। पटना स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने भाजपा द्वारा कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान मौके पर पथराव किया गया। बिहार के मंत्री और भाजपा नेता नितिन नवीन ने कहा कि जनता कांग्रेस को करारा जवाब देगी।

नवीन ने एएनआई से कहा कि बिहार का हर बेटा एक माँ के अपमान के लिए कांग्रेस को करारा जवाब देगा। हम इसका बदला लेंगे। वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ता आशुतोष ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए दावा किया कि यह झड़प सरकार की मिलीभगत से हो रहा है। नीतीश कुमार गलत कर रहे हैं। इससे पहले आज, दरभंगा पुलिस ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपशब्द कहने के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

पटना में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि बस यही बचा है इनका (भाजपा का) काम। सरकार में रहते हुए ये इस तरह के प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारी लड़ाई मतदाताओं के लिए है। हम किसी भी सूरत में यह स्वीकार नहीं करेंगे कि गुजरात से लाकर यहां मतदाताओं का पंजीकरण किया जा रहा है और बिहार के मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। चुनाव आयोग और सरकार पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रही है।

पीएम मोदी पर अभद्र टिप्पणी को लेकर पटना में बवाल, भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

पटना। दरभंगा में इंडिया ब्लॉक की एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को बिहार के पटना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। पटना स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने भाजपा द्वारा कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान मौके पर पथराव किया गया। बिहार के मंत्री और भाजपा नेता नितिन नवीन ने कहा कि जनता कांग्रेस को करारा जवाब देगी।

नवीन ने एएनआई से कहा कि बिहार का हर बेटा एक माँ के अपमान के लिए कांग्रेस को करारा जवाब देगा। हम इसका बदला लेंगे। वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ता आशुतोष ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए दावा किया कि यह झड़प सरकार की मिलीभगत से हुई है। आशुतोष ने कहा कि करारा जवाब दिया जाएगा। यह सरकार की मिलीभगत से हो रहा है। नीतीश कुमार गलत कर रहे हैं।

पटना में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि बस यही बचा है इनका (भाजपा का) काम। सरकार में रहते हुए ये इस तरह के प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारी लड़ाई मतदाताओं के लिए है। हम किसी भी सूरत में यह स्वीकार नहीं करेंगे कि गुजरात से लाकर यहां मतदाताओं का पंजीकरण किया जा रहा है और बिहार के मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। चुनाव आयोग और सरकार पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रही है। यह घटना इंटरनेट पर एक कथित वीडियो के बाद हुई है जिसमें आरोपी को इंडिया ब्लॉक के एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए दिखाया गया है। इस वीडियो को लेकर मचे राजनीतिक विवाद के बीच, भाजपा नेताओं ने कथित अपमानजनक भाषा के लिए विपक्ष की 'मतदाता अधिकार यात्रा' की आलोचना की है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की टिप्पणियां 140 करोड़ भारतीयों का अपमान हैं। आदित्यनाथ ने संवाददाताओं से कहा, 'वह (प्रधानमंत्री मोदी) अब दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। इंडिया ब्लॉक के मंच से यह अशोभनीय भाषा 140 करोड़ भारतीयों का अपमान है। बिहार की जनता उन्हें करारा जवाब देगी। कोई भी सभ्य समाज ऐसी भाषा को स्वीकार नहीं कर सकता। कांग्रेस और राजद नेताओं को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।'

एक-दूसरे को नीचा दिखाने की सस्ती राजनीति से देश का माहौल खराब ना करें : मायावती

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। बिहार के दरभंगा में कांग्रेस और राजद की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ मंच से कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर देशभर में राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने भी इस प्रकरण पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने बिना नाम लिए प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ हुई अभद्र टिप्पणी की निंदा की है।

मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देश में खासकर राजनैतिक स्वार्थ के कारण राजनीति का गिरता हुआ स्तर अति-दुखद एवं चिंतनीय है। इस संबंध में सभी पार्टियों की राजनीति, पार्टी के संविधान के हिसाब से विचार और सिद्धान्तों के आधार पर, देश व करोड़ों गरीबों व आमजन के हित में होनी चाहिए, जो कि खासकर पिछले कुछ वर्षों से सही से देखने को नहीं मिल रहा है, जबकि इस दौरान देश के सामने विभिन्न प्रकार की आन्तरिक एवं बाहरी चुनौतियां काफी बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि देश के उच्च सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं व विशेषकर राजनीति में उच्च पदों पर बैठे लोगों के बारे में जिस प्रकार की अभद्र, अशोभनीय, अमर्यादित व असंसदीय टिप्पणी आदि सार्वजनिक तौर पर करके उनकी व देश की छवि को भी धूमिल करने के जो प्रयास किये जा रहे हैं, वह अति-दुखद व चिंतनीय है। खासकर चुनाव के समय यह प्रक्रिया और भी अधिक विषैली व हिंसक हो जाती है।

दादा ने दी ऐसी दर्दनाक मौत... जिसे सुनकर ही रोंगटें खड़े हो जाएं; मृतक का भाई बोला- यश की क्या गलती थी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। मेरा छोटा लाडला भाई था, उसकी ऐसी क्या गलती थी जो इतनी दर्दनाक मौत दी गई, जिसे सुनकर भी रोंगटें खड़े गए। यह कहना है पीयूष उर्फ यश के बड़े भाई ध्रुव का। पोस्टमार्टम के दौरान घटना की भयावहता की कल्पना कर वह फूट-फूटकर फफक पड़ा। उसका कहना था कि आखिर मेरे भाई का क्या कसूर था जो उसे इतनी दर्दनाक मौत दी गई। इस दौरान यश की मां का भी रो-रो कर बुरा हाल था। बृहस्पतिवार को दोपहर में यश के भाई समीर और ध्रुव भी अन्य परिजनों के साथ पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे थे। इसके बाद देर-शाम ककहरा घाट पर यश के शव का अंतिम संस्कार करवाया गया। इस दौरान लोगों ने बताया कि यश पढ़ने-लिखने में काफी अच्छा था।

जांच के दौरान पुलिस ने 70 सीसीटीवी कैमरों को खंगाला

औद्योगिक क्षेत्र में यश का शव मिलने पर पुलिस ने कल्याणी देवी से लेकर पूरे रास्ते भर करीब 70 सीसीटीवी कैमरों को खंगाला।

यहा है मामला

औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार को 11वीं के छात्र पीयूष उर्फ यश का सिर और हाथ-पैर काटकर शव फेंकने के मामले में पुलिस ने करेली सदियापुर निवासी आरोपी दादा सरन सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यश के शरीर के छह टुकड़े कर छह घंटे में शव का ठिकाना लगा दिया।

पुलिस लाइन सभागार में डीसीपी

नगर अभिषेक भारती व डीसीपी यमुनानगर विवेकचंद्र यादव ने बताया कि सदियापुर निवासी सरन सिंह की बेटी ने 2023 और बेटे ने 2024 में यमुना पुल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। दोनों बच्चों की मौत से सरन सिंह परेशान हो गया। इस बीच वह कौशाम्बी के रहने वाले एक तांत्रिक के संपर्क में आया। शक था कि यश की दादी ने उसके परिवार पर जादू-टोना किया है।

तांत्रिक के कहने पर ही सरन ने यश को मंगलवार सुबह 8:30 बजे स्कूल जाते वक्त किसी काम का बहाना बनाकर अपने साथ कल्याणी देवी स्थित मकान में ले गया और फिर आरी व चापड़ से शरीर के छह टुकड़े कर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने हत्यारोपी को सैदपुर क्षेत्र के बरखंडी महादेव मंदिर रोड पर सरपतों के पास गिरफ्तार किया है। वहीं, हत्या में प्रयुक्त आरी व चापड़ भी बरामद कर लिया गया है।

पहले सिर पर ईंट मारी फिर मुंह दबाकर की हत्या

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि कमरे आते ही यश के पीछे से सिर पर ईंट से हमला कर दिया। जमीन पर गिरने पर गिरते ही कपड़ा से मुंह दबाकर उसे मार डाला। इसके बाद आरी व चापड़ से पहले सिर काटा, फिर दोनों हाथ, पैर व धड़ को काटकर शरीर से अलग कर दिया।

इस-इस रास्ते से धड़ फेंकने गया आरोपी

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी धड़ को एक पॉलीथिन में भरकर कल्याणी देवी से दरियाबाद, पुराने पुल, अरैल रोड, फूलमंडी होते हुए फिर औद्योगिक क्षेत्र के लवायन कुरिया पहुंचा और यहां के नाले में सिर कटी लाश फेंककर फरार हो गया। हालांकि, शव का धड़ फेंकते समय भैंस चरा रही एक वृद्धा की नजर पड़ गई।

तांत्रिक को गिरफ्तार करने के लिए बनी टीमें

पुलिस को अबतक यश का का सिर व धड़ मिला है जबकि अन्य हिस्से नहीं मिले हैं। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि यश के कपड़े को यमुनापुल से नदी में फेंक दिया। वहीं, दूसरी तरफ पुलिस आरोपी तांत्रिक को गिरफ्तार करने के लिए दो टीमें गठित कर दी है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार पुलिस ने कौशाम्बी के रहने वाले तांत्रिक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

संक्षेप

पैगंबर मोहम्मद साहब के 1500वें जन्मदिन पर शरबत वितरण का कार्यक्रम

सुलतानपुर। पैगंबर मोहम्मद साहब के 1500वें जन्मदिन के मौके पर उलमाये अहले सुन्नत और नौजवानाने इस्लाम की ओर से बस स्टॉप स्थित एक दुकान के सामने शुक्रवार को एक विशेष शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आने-जाने वाले राहगीरों, मुसाफिरों और जरूरतमंद लोगों को शरबत पिलाया गया। इस मौके पर इस्लाम में इंसानियत और आपसी भाईचारे का पैगाम दिया गया। जगह-जगह ऐसे स्लोगन भी लगाए गए, जिनमें "इस्लाम में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा सवाब" जैसे संदेश लिखे थे। इस कार्यक्रम में मुफ्ती अकील अहमद मिस्बाही ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा पैगंबर मोहम्मद साहब ने हमेशा इंसानियत, मोहब्बत और भाईचारे का संदेश दिया। प्यासे को पानी पिलाना इस्लाम में बहुत बड़ा नेक काम माना गया है। हमें चाहिए कि हम हर जरूरतमंद की मदद करें और समाज में अमन का पैगाम फैलाएँ।

कालेज की मासिक ई पत्रिका लोकार्पित

सुलतानपुर। राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय की मासिक ई पत्रिका प्रतिबिम्ब के दूसरे वर्ष के नौवें अंक का शुक्रवार को आनलाइन लोकार्पण हुआ। यह जानकारी देते हुए पत्रिका के प्रधान सम्पादक असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने बताया कि प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने पत्रिका की पीडीएफ फाइल को महाविद्यालय के विद्यार्थियों शिक्षकों , कर्मचारियों व अभिभावकों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जारी कर दिया है। इसमें स्वदेशी पर विशेष सम्पादकीय भी है । पत्रिका विद्यार्थियों के साथ ही अन्य लोगों के बीच भी तेजी से शेयर की जा रही है। उल्लेखनीय है कि राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय क्षेत्र का इकलौता महाविद्यालय है जहां से हर महीने ई पत्रिका का प्रकाशन होता है। जिसकी शुरुआत और संचालन का पूरा श्रेय पत्रिका के प्रधान संपादक असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि को है ।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद से सीख लें युवा : विधायक

सुलतानपुर। जिले के पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेल निदेशालय और हॉकी संघ सुल्तानपुर के समन्वय से आयोजित प्रतियोगिता में आज मुख्य अतिथि विधायक विनोद सिंह व विशिष्ट अतिथि युवामोर्चा ज़िलाध्यक्ष चन्दन नरायन सिंह व सीडीओ अंकुर कौशिक ने पहुँच कर हॉकी खेल का उद्घाटन तथा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया व सबको खेल के प्रति जागरूक करने के लिए शपथ दिलवाया । शहर विधायक विनोद सिंह ने कहा कि गुलामी के दौर में सीमित संसाधनों के बीच मेजर ध्यानचंद जी ने जिस अटूट लगन और मेहनत से हॉकी की दुनिया में अपना लोहा मनवाया, वह अद्वितीय है। जिला अध्यक्ष चन्दन नारायन ने हॉकी में भारत की प्रतिभा का पूरी दुनिया में परचम लहराने वाले हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी को उनकी जयंती पर नमन किया व सभी को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' की शुभकामनाएँ दी। देश में हॉकी और अन्य खेलों के विकास को निरंतर बढ़ावा देने की प्रेरणा देने वाले ध्यानचंद जी देशवासियों की स्मृति में सदैव जीवित रहेंगे।"
इस अवसर पर क्रीड़ा अधिकारी राजेश सोनकर,सचिन तारीख वसीम वॉलीबॉल संघ मुनेंद्र मिश्रा ओलंपिक संघ सचिव पंकज दूबे सहित जिले के खिलाड़ी व पदाधिकारी मौजूद रहे।

विद्यालय शिक्षक की तपस्थली हैं : संतोष सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के ब्लॉक अध्यक्ष श्री संतोष सिंह ने प्राथमिक विद्यालय घाटमपुर में *हमारा विद्यालय- हमारा स्वाभिमान* कार्यक्रम के अंतर्गत एक सितंबर को विद्यार्थियों और शिक्षकों का साझा संकल्प *पंच प्रण* प्रार्थना सभा में आयोजित कराने का आग्रह किया। विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक राहुल तिवारी एवं स्टाफ ने संगठन की कार्यपद्धति की सराहना की जिसमें *राष्ट्र प्रथम* का भाव निहित हैं। राहुल तिवारी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्पष्ट हैं, विद्यालय तीर्थ बने, शिक्षक आचार्य बने, विद्यार्थी जिज्ञासु शिष्य बने, शिक्षा साधना बने, विद्यालय का परिसर गुरुकुल बने। ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सिंह ने *हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान* कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के पुनर्निर्माण में जिसका केंद्र शिक्षक है, आधार शिक्षा हो और लक्ष्य संस्कारित समाज हो, विद्यालय शिक्षक की तपस्थली हैं, यहां शिक्षक का संकल्प, श्रम और आचरण ही विद्यार्थी में जीवन मूल्य का विकास करता हैं।

एक्सप्रेस वे पर दर्दनाक हादसा : आगरा में तैनात एसडीएम की मौत, लखनऊ से आ रहे थे वापस ; प्रशासन में शोक की लहर

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर शुक्रवार सुबह दर्दनाक हादसे में आगरा में तैनाता अपर नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार जायसवाल की मौत हो गई। उनका चालक गंभीर रूप से घायल है। घायल चालक को उपचार के लिए सैफई अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लखनऊ से लौट रहे थे आगरा

मिली जानकारी के मुताबिक अपर नगर मजिस्ट्रेट आगरा राजेश कुमार अपनी क्रेटा कार से लखनऊ से आगरा की तरफ जा रहे थे। उनकी कार जैसे ही आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के 77-KM पर पहुंची तभी ये हादसा हो गया। बताया गया है कि कार किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई।

चालक की हालत गंभीर

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार अपर नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार जायसवाल और कार ड्राइवर पंकज कुमार शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही तत्काल मौके पर पुलिस पहुंच गई। दोनों को गंभीर घायल अवस्था में उपचार के लिए सैफई मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। यहां चिकित्सक ने अपर नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार जायसवाल को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल चालक की हालत गंभीर बनी हुई है।

प्रशासन में शोक की लहर

हादसे की जानकारी मिलते ही प्रभारी तहसीलदार संतोष राजौरिया और प्रभारी निरीक्षक महाराज सिंह भाटी सैफई अस्पताल पहुंच गए। उधर इस दुखद हादसे की जानकारी जब आगरा में लगी, तो प्रशासनिक अधिकारियों में शोक की लहर दौड़ गई। आगरा से भी अधिकारी मैनपुरी के लिए रवाना हुए हैं। बता दें कि एसडीएम राजेश कुमार जायसवाल किरावली में तैनात रहे थे और वर्तमान में कलेक्ट्रेट में अपर नगर मजिस्ट्रेट का चार्ज संभाल रहे थे।

अपराधों का प्रदेश उत्तर प्रदेश :अभिषेक सिंह 'राणा'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने जिले में बीते मांह घटी आपराधिक घटनाओं को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने अपराधिक घटनाओं के लिए पुलिस की लचर कार्यशैली तहसील व थाने पर बढे भ्रष्टाचार को जिम्मेदार बताया।स्वास्थ्य महकमें व सड़क निर्माण से संबंधित विभागों मे अनियमितता को लेकर उन्होंने चिंता जताते हुए आंदोलन की बात कही।

जिला कांग्रेस कमेटी सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में पत्रकारों से रूबरू हुए जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहां उत्तर प्रदेश यूपी क्राइम कैपिटल बन चुका है वर्तमान भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है जिले में अपराध का ग्राफ बढ़ा है महिला एवं बेटियां सुरक्षित नहीं है ऐसे में सरकार व सरकारी लोग झूठ आडंबर रचकर आपराधिक घटनाओं को छिपाने में लगे हुए हैं थाना लंभुआ चाँदा दोस्तपुर अखंड नगर कादीपुर जयसिंहपुर मोतिगरपुर गोसाईगंज धम्मौर् बंधुआकला कुड़वार बल्दीराय धनपतगंज क्षेत्र में बीते माह हुई आपराधिक घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कई घटनाओं में पुलिस द्वारा शिथिलता बरतने ने समय से मुकदमा दर्ज न करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने जिले में होने वाली अपराधिक घटनाओं को छुपाने के लिए पुलिस द्वारा मुकदमा न दर्ज किए जाने की भी आलोचना की। उन्होंने पुलिस अधीक्षक समेत आला अधिकारियों के समय से कार्यालय में न बैठने गुणवत्तापूर्ण न्याय न करने को भी मुख्य मुद्दा बनाया। उन्होंने करौदी कला में थाने में रिश्वत लेते गिरफ्तार हुए दरोगा शैलेंद्र कुमार का उदाहरण पेश किया। तहसीलों पर लेखपाल से लेकर उच्च अधिकारियों तक के भ्रष्टाचार में लिप्त होने का दावा किया।सड़क निर्माण में धांधली व कमीशन बाजी के चर्चित मामलों पर भी उन्होंने सख्त टिप्पणी की।मेडिकल कॉलेज में अनियमितता भ्रष्टाचार व मरीज के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतों पर भी मुखर नजर आए। वरिष्ठ नेता राजेश तिवारी ने देश प्रदेश के कई मामलों पर बेबाकी से अपनी राय रखी शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने शहर की समस्याओं को लेकर आंदोलन की रणनीति बनाने की बात कही।

रात के अंधेरे में ड्रोन दिखने से ग्रामीण भयभीत

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र में इस समय रात के अंधेरे में ड्रोन दिखने ग्रामीण दहशत में है। ग्रामीण रात में रतजगा करके निगरानी कर रहे है। क्षेत्र के बघौना प्रधान प्रतिनिधि जुनेद ने बताया कि ऐसी अफ़वाह सुनाई पड़ रही है रात के अंधेरे में गांव में ऊपर ड्रोन दिख रहा है जिससे बडी घटना होने की संभावना ज्यादा बढ़ गई है। क्षेत्र के नन्दौली, आलामऊ, चकतेंदुआ, निनावां, मऊ आदि गांवों में लोग रात रात निगरानी कर रहे है,। ग्रामीण संतोष तिवारी ने बताया कि रात में गांव में ऊपर चमकदार लाइट जलती बुझती दिखाई दी तो ग्रामीणो में हलचल बढ़ गई। देहली बाजार चौकी प्रभारी सुनील सिंह ने बताया कि ऐसी कोई बात नही हम लोग रात में लगातार गस्त पर रहते है। थाना प्रभारी बल्दीराय नारद मुनि सिंह ने कहा कि लोगो से अपील है कि ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दें,क्षेत्र में कहीं ऐसी बात रात में दिखती है तो तुरंत अवगत कराएं।

कानपुर में सर्वे कर रहा था गूगल मैप्स का स्टाफ, तभी गांव वाले लगे पीटने, हैरान कर देगा कारण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गूगल मैप की सर्वे टीम से मारपीट का मामला सामने आया है। यहां गांव वालों ने उन्हें चोर समझकर रोका और फिर जमकर मार-पीट की। गांव में चोरों के कारण सभी परेशान थे। ऐसे में गूगल मैप की गाड़ी को लोगों ने चोरों की गाड़ी समझ लिया और टीम की पिटाई कर डाली।

इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने बड़ी मुश्किल से गूगल मैप कर्मियों को बचाया और मामले में जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि महोलिया के ग्रामीणों ने गूगल मैप कर्मियों को चोर समझ लिया था। गांव में गूगल मैप का स्टाफ गाड़ी से सर्वे करने पहुंचा था। गांव वालों ने उन्हें रोककर सवाल किए तो संतोषजनक जवाब न पाकर गांव वाले भड़क गए और स्टाफ को पीट दिया।

जानकारी के अनुसार, मामला साढ़ थाना क्षेत्र के महोलिया गांव का है। बताया जा रहा है कि गूगल मैप कर्मी एक कार से गांव में सर्वे के लिए पहुंचे। गांव में लंबे समय से सभी चोरों से परेशान हैं। गांव वालों को गाड़ी चोरों की लगी। उन्होंने गूगल मैप स्टाफ की गाड़ी रोकी और उनसे पूछताछ की। युवकों के जवाब गांव वालों को संतोषजन नहीं लगे। गांव वालों ने देखा की युवक फोटो लेकर कहीं अपलोड कर रहे थे। इसी के बाद क्षेत्र में हो रही चोरियों से आक्रोशित ग्रामीणों ने स्टाफ को भी चोर समझकर पीट दिया।

गूगल के लिए करते हैं काम

मारपीट की घटना की जानकरी यूपी पुलिस को भी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गांव वालों से गाड़ी और स्टाफ को छुड़ाया। पुलिस ने आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराया और स्टाफ से पूछताछ की। पुलिस को युवकों के गूगल मैप के लिए काम करने की जानकारी मिली। पुलिस ने कर्मचारियों को भीड़ से छुड़ाकर सुरक्षित बाहर निकाला। युवक ने बताया कि वो टेक महिंद्रा कंपनी के लिए काम करते हैं, जो गूगल मैप के लिए प्रोजेक्ट कर रही है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। इसकी जानकारी देते हुए साढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इस बार 26,11,101 दीयों से रोशन होगी राम नगरी, टारगेट सेट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की राम नगरी अयोध्या में एक बार फिर से एक साथ लाखों दीयों को प्रज्वलित करने का रिकॉर्ड बनने जा रही है। इस बार अयोध्या में दीपोत्सव को और भव्य करने की तैयारी है। इसको लेकर अयोध्या जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों की मैराथन बैठक शुरू हो गई है। इसको लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस बैठक में सभी जिम्मेदार विभागों को उनकी जिम्मेदारी देकर निर्देशित कर दिया गया है। साथ ही अवध विश्वविद्यालय के कर्मचारी को इस आयोजन का नोडल अधिकारी घोषित किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बार दीपोत्सव को और भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। घाटों पर मार्किंग का कार्य आरंभ कर दिया गया है। बीते साल दीपोत्सव के मौके पर 25 लाख दिए को

प्रज्वलित कर एक नए कीर्तिमान को स्थापित किया था। एक बार फिर से अयोध्या में दीपोत्सव 2025 की तैयारी का आगाज हो गया है। दीपोत्सव के मौक पर साकेत महाविद्यालय से कई तरह की झाकियों को निकालने की तैयारी की जा रही है।

झाकियों को संस्कृति विभाग, पर्यटन विभाग और सूचना विभाग के द्वारा तैयार किया जाएगा। इनमें रामायण कालीन पात्रों को झांकियों के माध्यम से दिखाया जाएगा। इसको लेकर संबंधित विभागों को निर्देशित कर दिया गया है।

DM ने तैयारयों पर की बात

अयोध्या जनपद के जिला अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने TV9 भारतवर्ष से बात करते हुए बताया कि दीपोत्सव की तैयारी आरंभ कर दी गई हैं। दीपोत्सव या जिसे छोटी दिवाली भी कहा जाता है इसका आयोजन पिछले वर्षों की तरह ही भव्य किया जाएगा। इसको लेकर जो तिथि निश्चित होकर के आई है वो 19 अक्टूबर है। उन्होंने बताया कि इस दिन कई स्थलों पर कार्यक्रम का आयोजन होगा। मुख्य आयोजन सुबह और शाम में है।

टूटेगा पिछला के दीपोत्सव का रिकार्ड

उन्होंने बताया कि दीपोत्सव के दौरान पिछले साल का रिकार्ड फिर से ब्रेक किया जाएगा। इस दीपोत्सव के दौरान 26,11,101 दीयों को प्रज्वलित किया जाएगा, जो पिछले पर्ष की तुलना में एक लाख अधिक है। उन्होंने कहा हमें उम्मीद है कि पिछले साल की तुलना में हम इस साल और बेहतर आयोजन कर पाएंगे। वॉलिंटियर्स की बात की जाए तो पिछले वर्ष लगभग 32000 वॉलिंटियर्स इसमें शामिल हुए थे। क्योंकि, इस बार टारगेट एक लाख बढ़ गया है तो इस बार वॉलिंटियर्स भी बढ़ाएंगे। आने वाले समय में एग्जैक्ट वॉलिंटियर्स कितने होंगे, कहां-कहां से आएंगे सुनिश्चित कर लिया जाएगा।

नये आयोजनों की तैयारी

अयोध्या में बहुत विकास हुआ है। इसकी वजह से नए स्थान विकसित हुए हैं। पुराने स्थलों पर नई चीज बन रही हैं। उसके ध्यान में रखते हुए मैपिंग का कार्य शुरू कर दिया है। आने वाले समय में एग्जैक्ट जगह चिन्हित कर ली जाएगी। कितने स्थान पर हम दीये लगाएंगे सब बता दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले साल फूल वर्षा, ड्रोन शो के अलावा रामलीलाए, सरजू आरती जैसे कई आयोजन किये गये थे। इस बार दोबारा इन आयोजनों को कराया जाएगा। इसके साथ ही अन्य कई चीजों को ऐड भी किया जाएगा। जिस पर विचार चल रहा है।

जयसिंहपुर पुलिस की कार्यशैली से कोर्ट नाराज, लगाई कड़ी फटकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। नशीला पदार्थ बेचने की सूचना पर आरोपियों के घर पहुंची पुलिस टीम पर हमला करने एवं कुत्तों को ललकारते हुए कटवाने के मामले में जेल गयी विधि छात्रा की जमानत अर्जी पर सुनवाई कर रही अदालत ने बृहस्पतिवार को विवेचक को तलब किया। इस दौरान एडीजे तृतीय जज राकेश पाण्डेय ने पुलिस की कार्यशैली पर कड़ी फटकार लगाते हुए आदेश सुरक्षित कर लिया है। जयसिंहपुर कोतवाली में तैनात उप निरीक्षक जितेंद्र यादव व उप निरीक्षक नफीसुद्दीन समेत अन्य पुलिस टीम के सदस्य बीते नौ अगस्त को संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। पुलिस टीम ने उसी दौरान बरौंसा चौराहे के पास रहने वाले आरोपी जितेंद्र कुमार शुक्ल के घर पहुँचने पर हुई घटना का जिक्र करते हुए आरोपी जितेंद्र कुमार शुक्ल व उनकी पत्नी पूजा शुक्ला के जरिये लोहे की राड से पुलिस टीम पर हमला करने समेत अन्य आरोपो में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी जितेंद्र के कब्जे से लोहे की राड व उनकी पत्नी पूजा शुक्ला के पास से तीन मोबाइल बरामद होना बताते हुए जेल भेजने की कार्रवाई किया। मामले में आरोपी पूजा शुक्ला की जमानत पर सुनवाई के दौरान उनके अधिवक्ता इन्द्रहास पाठक व धर्मेन्द्र शुक्ल ने उन्हें विधि छात्रा बताते हुए महज अनर्गल दबाव बनाने व वसूली की नीयत से फर्जी तरीके से फंसाने का तर्क पेश किया। अदालत ने पुलिसिया कार्यशैली पर संज्ञान लेते हुए बृहस्पतिवार के लिए अभिलेखो के साथ विवेचक को तलब किया था। पुलिस के जरिये पेश तर्कों से कोर्ट काफी नाराज हुई और जमकर फटकार लगाई। पूरे मामले में जयसिंहपुर पुलिस की कार्यशैली संदेहों से घिरी हुई है। थानो पर आये दिन हो रहे इन पुलिसिया कारनामो की नाम मात्र की मॉनिटरिंग करने वाले जिम्मेदार अफसरों की भी भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यालय भवन का शिलान्यास कर लोकतंत्र व पंचायतीराज व्यवस्था की मजबूती पर दिया जोर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन लोकतांत्रिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि त्रिस्तरीय पंचायतों की व्यवस्था और स्थानीय निकाय प्रणाली के माध्यम से जनता की भागीदारी सुनिश्चित होती है। मुख्यमंत्री ने यह विचार राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश के कार्यालय भवन के शिलान्यास के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र में जनता केवल मतदाता ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की जनार्दन भी है। जनता को सम्मान देकर उसकी आवाज को महत्व देने और आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं की संवेदनशीलता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ती है।मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने बताया कि प्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में लगभग 12 करोड़ से अधिक मतदाता हिस्सा लेते हैं। प्रदेश में 58,000 से अधिक ग्राम पंचायतें, 75,000 से अधिक क्षेत्र पंचायत सदस्य, 826 क्षेत्र पंचायत, 75 जिला पंचायत, 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका परिषद, 544 नगर पंचायत और 1,400 से अधिक पार्षद हैं। इन सभी का चुनाव राज्य निर्वाचन आयोग कराता है।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र विश्व में शासन की सबसे अच्छी प्रणाली है, क्योंकि अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक अपनी बात पहुंचा सकता है और जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं के प्रति जवाबदेह होता है। संविधान ने यह व्यवस्था सुनिश्चित की है कि यदि कोई जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता, तो पांच वर्षों बाद उसे जनता पुनः अपनी पसंद के अनुसार चुनती है।मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से 12 करोड़ से अधिक मतदाता पंचायतीराज और लगभग 5 करोड़ मतदाता स्थानीय निकाय व्यवस्था से जुड़े हैं। 8 लाख से अधिक प्रतिनिधि विभिन्न स्तरों पर अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि स्थानीय निकाय और पंचायतीराज व्यवस्था मजबूत है तो विधानसभा और लोकसभा में भी मजबूत जनप्रतिनिधि चुनकर जाते हैं, जो क्षेत्र की पहचान बनकर जनता की आवाज बनते हैं।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश को विकसित बनाना होगा। इसके लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त बनाना आवश्यक है और राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यालय भवन का शिलान्यास इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भवन आधुनिक तकनीकों से युक्त होगा और जनप्रतिनिधि तथा आमजन आसानी से आयोग के समक्ष अपनी बात रख सकेंगे। छह मंजिला इस भवन का निर्माण राजकीय निर्माण निगम द्वारा कराया जा रहा है। यह देश का चौथा या पांचवा राज्य होगा, जहां राज्य निर्वाचन आयोग का स्वयं का भवन होगा।कार्यक्रम को पंचायतीराज मंत्री ओम प्रकाश राजभर और राज्य निर्वाचन आयुक्त राज प्रताप सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान, अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, प्रमुख सचिव पंचायतीराज अनिल कुमार सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने मेजर ध्यानचन्द स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों को किया सम्मानित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द की स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि उनके योगदान के कारण प्रत्येक भारतीय के मन में हॉकी की स्टिक अंकित हो जाती है। मेजर ध्यानचन्द ने 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक गेम्स में भारत को स्वर्ण पदक दिलाकर देश को वैश्विक पहचान दिलाई थी। इसी गौरव को ध्यान में रखते हुए प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का नाम मेजर ध्यानचन्द स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, मेरठ पर रखा गया है, जिसमें इस सत्र से पाठ्यक्रम की शुरुआत हो गई है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पद्मश्री मोहम्मद शाहिद स्टेडियम में राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में खेल अवसंरचना से संबंधित कार्यों का लोकार्पण किया और सहायक खेल प्रशिक्षकों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए। साथ ही, राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में प्रदेश के पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया।उन्होंने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया और स्टेडियम में आयोजित हॉकी मैच का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने युवाओं को फिट इंडिया मूवमेंट की शपथ दिलाई और कहा कि प्रत्येक नागरिक को एक खिलाड़ी की तरह अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्टता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करना चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए स्पोर्ट्स कॉलेजों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं और ओलम्पिक, कॉमनवेल्थ, एशियाड व नेशनल गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को कोच के रूप में नियुक्त किया जा रहा है। प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल का मैदान, विकास खण्ड स्तर पर मिनी स्टेडियम और जनपद स्तर पर स्टेडियम निर्माण की प्रक्रिया युद्धस्तर पर चल रही है।

खेलने के बाद नहाने नदी में गये दो बच्चों की मौत, एक सकुशल निकाला गया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के लोध पुरवा में शुक्रवार को एक हृदय विदारक घटना ने पूरे गांव को झकझोर दिया। लोनी नदी में खेलने के बाद नहाने गए तीन मासूम बच्चे डूब गए, जिनमें से दो की मौत हो गई। एक बच्चे को ग्रामीणों ने बचा लिया। मृतक बच्चों की पहचान हिमानी (4), गौरव (5) के रूप में हुई, जबकि विराट (4) को सकुशल निकाल लिया गया।

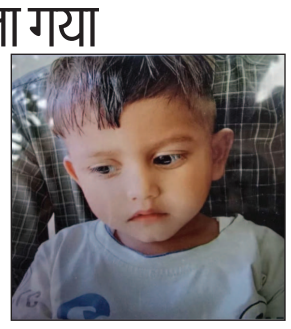

गोसाईंगंज के लोध पुरवा निवासी गुड्डू मजदूरी के लिए खेत पर पानी लगाने गए थे। उनके पीछे उनका बेटा विराट, पड़ोसी हिमानी और गौरव भी खेत पर पहुंच गए। घर लौटते समय बच्चे नदी के पास खेलने लगे और अचानक गहरे पानी में चले गए। शोर सुनकर गांव के गुड्डू रत्तू और केशन ने नदी में छलांग लगाकर बच्चों को निकाला। विराट ने झाड़

पकड़ लिया था, जिससे वह बच गया। गुड्डू ने उसका पेट दबाकर पानी निकाला, लेकिन हिमानी और गौरव की सांसें थम चुकी थीं। सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार गुरप्रीत सिंह और गोसाईगंज पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। हिमानी की मां संतोषा और पिता अंकित का रो-रोकर बुरा हाल था। गौरव की मां राधा और पिता साजन भी सदमे में थे। गौरव का बड़ा भाई सौरभ स्कूल से लौटकर भाई की मौत की खबर सुनकर टूट गया।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पीएमजीएसवाई की सड़कों में एफडीआर तकनीक व ग्रीन टेक्नोलॉजी पर दो दिवसीय सेमिनार को संबोधित किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्रामीण सड़कों का उन्नयन राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने आईआरसी और यूपीआरआरडीए द्वारा आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में सड़क निर्माण में एफडीआर तकनीक और ग्रीन टेक्नोलॉजी के उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) में उत्तर प्रदेश ने अग्रणी भूमिका निभाई है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एफडीआर तकनीक से बनी सड़कें कम लागत में अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल होती हैं। इन सड़कों की औसत आयु लगभग 15 वर्ष अनुमानित है और इनके निर्माण से कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई है। इस तकनीक को अपनाकर प्रदेश में लगभग 6,000 किलोमीटर मार्ग बनाए जा रहे हैं, जिनमें से 5,200 किलोमीटर का कार्य पूरा हो चुका है।

प्रति किलोमीटर लागत में लगभग 20 प्रतिशत की बचत हुई है, जिससे प्रति किलोमीटर 100 ट्रक गिट्टी और 12,000 लीटर डीजल की बचत हो रही है।उन्होंने बताया कि एफडीआर तकनीक के साथ वेस्ट प्लास्टिक का उपयोग भी किया जा रहा है। अब तक 700 मीट्रिक टन से अधिक वेस्ट प्लास्टिक का इस्तेमाल हो चुका है, और पीरियाडिकल रिन्यूवल में 1,200 मीट्रिक टन वेस्ट प्लास्टिक की खपत का अनुमान है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सड़क नेटवर्क के विस्तार से किसानों, ग्रामीण उद्यमियों और आम जनता को बहुत लाभ मिला है। सड़कें ग्रामीणों का हाईवे सिद्ध हो रही हैं और रोड कनेक्टिविटी से समग्र विकास, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आसान हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की आत्मा मजबूत सड़कों से खिलती है।इस अवसर पर उन्होंने आईआरसी का नाम भारतीय सड़क संघ करने का सुझाव दिया और ग्राम्य विकास विभाग व यूपीआरआरडीए की पुस्तिका का विमोचन किया। उपमुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभागों, सामग्री निर्माणकर्ताओं, कंपनियों और सप्लायर्स द्वारा रोड कंस्ट्रक्शन के प्रयासों की सराहना की।केशव प्रसाद मौर्य ने भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेई द्वारा 2000 में शुरू की गई पीएमजीएसवाई को ऐतिहासिक बताया और कहा कि फेज-03 में यूपी मॉडल की थ्रेशोल्ड-क्रश तकनीक को बड़े पैमाने पर लागू किया गया। उन्होंने सभी राज्यों और विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे भारत में निर्मित सामग्री का अधिकतम उपयोग करें और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में सहयोग दें।सेमिनार को आईआरसी के अध्यक्ष मनोरंजन परीडा, महासचिव राहुल गुप्ता, डीजी एनआरआईडीए अमित शुक्ला, आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग गौरी शंकर प्रियदर्शी, यूपीआरआरडीए के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अखंड प्रताप सिंह सहित विभिन्न विशेषज्ञों ने संबोधित किया।

• संक्षेप •

प्रदेश सरकार ने आपदा प्रभावितों के लिए 3.5 करोड़ रुपये की राहत मंजूर की

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में आपदा प्रभावित व्यक्तियों और परिवारों को राहत सहायता प्रदान करने के लिए कुल 3 करोड़ 50 लाख रुपये मंजूर किए हैं। यह धनराशि राज्य आपदा मोचक निधि के तहत स्वीकृत की गई है और संबंधित जिलाधिकारी के निवर्तन पर वितरण सुनिश्चित किया जाएगा।राजस्व विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार उन्नाव के लिए 50 लाख रुपये, मीरजापुर के लिए 1 करोड़ रुपये और अयोध्या के लिए 2 करोड़ रुपये की धनराशि निर्धारित की गई है। स्वीकृत राशि संबंधित जनपद के कोषागार से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ई-भुगतान (डीबीटी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

प्रदेश सरकार ने भारी वर्षा, अतिवृष्टि, आकाशीय विद्युत, आंधी-तूफान, लू-प्रकोप, नाव दुर्घटना, सर्पदंश, सीवर सफाई, गैस रिसाव, बोरवेल गिरना, कुएं-नदी, झील, तालाब, पोखर, नहर, नाला, गड्ढा जलप्रपात में डूबकर मृत्यु, तथा सांड़ और वन्य जीवों (नील गाय) के आघात से होने वाली घटनाओं को राज्य आपदा घोषित किया है। इस व्यवस्था के तहत प्रभावितों को शीघ्र राहत एवं सहायता प्रदान की जाएगी।

महोबा जिले के बाढ़/अतिवृष्टि प्रभावित कृषकों के लिए 38.55 करोड़ रुपये की राहत और अनुदान मंजूर

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित व्यक्तियों, परिवारों और कृषकों को राहत सहायता तथा कृषि निवेश अनुदान प्रदान करने के लिए महोबा जिले हेतु कुल 38,54,87,570 रुपये मंजूर किए हैं। यह धनराशि जनपद के जिलाधिकारी को सौंप दी गई है।राजस्व विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस धनराशि का उद्देश्य महोबा जिले के 1,37,610 कृषकों को कृषि निवेश अनुदान देना और बाढ़/अतिवृष्टि से हुई फसल क्षति के लिए राहत सहायता सुनिश्चित करना है। स्वीकृत राशि राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत अनुमन्य राहत कार्यों के लिए निर्धारित की गई है।शासनादेश के अनुसार राज्य आपदा मोचक निधि से स्वीकृत धनराशि का जिला स्तर पर समुचित लेखा-जोखा रखा जाएगा। माह के अंत में जिलाधिकारी, महोबा द्वारा हस्ताक्षरित मदवार मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराया जाएगा।स्वीकृत धनराशि संबंधित जनपदीय कोषागार से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ई-भुगतान (डीबीटी) के माध्यम से भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। इससे प्रभावित कृषकों को त्वरित राहत और कृषि निवेश के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।

प्रदेश में राशन कार्डधारकों के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य, सितंबर 2025 से अवरुद्ध हो सकता है राशन

लखनऊ। प्रदेश के खाद्य एवं रसद विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत राशन वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी राशन कार्डधारकों की ई-केवाईसी (बायोमेट्रिक सत्यापन) अनिवार्य कर दी है। आयुक्त खाद्य एवं रसद, भूपेन्द्र एस. चौधरी ने बताया कि शासनादेश संख्या 1115/29-6-ई-2792/2020, दिनांक 11.08.2025 के तहत जिन लाभार्थियों का केवाईसी कार्य अपूर्ण है, उन्हें आगामी तीन माह के राशन वितरण से पहले ई-केवाईसी पूरी कराना अनिवार्य होगा।उन्होंने कहा कि 31 अगस्त 2025 तक केवाईसी न कराने वाले राशन कार्डधारक अपने नजदीकी उचित दर की दुकान (ई-पॉस) पर जाकर यह प्रक्रिया पूरी करें। यदि अंतिम तिथि तक केवाईसी नहीं कराई जाती है, तो सितंबर 2025 से अगले तीन माह तक उनका राशन वितरण अवरुद्ध किया जा सकता है। इसके बाद पुनः केवाईसी कराना आवश्यक होगा।आयुक्त ने यह भी बताया कि जिन लाभार्थियों का आधार ऑथेंटिकेशन फेल हो रहा है—जैसे बुजुर्ग, दिव्यांग या गंभीर रूप से बीमार—वे क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी से संपर्क कर वैकल्पिक व्यवस्था के लिए आवेदन कर सकते हैं। वहीं विवाहित महिलाएं, जिनका नाम अभी ससुराल के राशन कार्ड में नहीं जुड़ा है, वे ऑनलाइन आवेदन कर यूनिट स्थानांतरण करवा सकती हैं।

लखनऊ पुलिस ने चैन स्नैचिंग के शातिर अपराधी को किया गिरफ्तार, आठ वारदातों का खुलासा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की क्राइम टीम और सर्विलांस टीम (डीसीपी उत्तरी) ने थाना अलीगंज क्षेत्र एवं अन्य थाना क्षेत्रों में सक्रिय एक शातिर चैन स्नैचर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त विशाल कुमार, पुत्र अशोक कुमार, निवासी एल-1/1219/08 सचिवालय कालोनी, इन्दिरानगर, सर्वोदय नगर, थाना गाजीपुर, लखनऊ, उम्र 24 वर्ष, को केन्द्रीय विद्यालय के पास मोटर साइकिल पर संदिग्ध गतिविधि करते हुए पकड़ा गया।पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि उसने कुल आठ चैन स्नैचिंग की वारदातें की हैं। उसने बताया कि महिला को चैन पहने हुए देखकर पहले उसकी रेकी करता और फिर झपट्टा मारकर चैन छीनकर फरार हो जाता था। गिरफ्तार अपराधी ने दिनांक 25 अगस्त 2025 को एक महिला के गले से चैन छीनने की वारदात को भी स्वीकार किया।

बीबीएयू में विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद योजना के अंतर्गत टैबलेट वितरित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ में अंतिम वर्ष (पास आउट) के विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश सरकार की स्वामी विवेकानंद योजना के अंतर्गत टैबलेट वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री असीम अरुण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ हुआ। विश्वविद्यालय कुलगीत के पश्चात अतिथियों को पौधा और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। मंच संचालन डॉ.

तरूणा ने किया।मंत्री असीम अरुण ने अपने संबोधन में कहा कि यदि युवा सही दिशा में कार्य करें तो उनकी सोच और कल्पनाशक्ति प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण युवाओं की शक्ति से ही संभव है। समाज में नवाचार और नई सोच की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने भारत के प्राचीन व्यापारिक इतिहास का उल्लेख किया और विद्यार्थियों को "Reform, Perform और Transform" का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वितरित टैबलेट अवसर की समानता का प्रतीक हैं, जो शिक्षा और उद्यमिता के नए द्वार खोलेंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि बीबीएयू में डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और अभ्युदय योजना को मिलाकर विद्यार्थियों के हित में कार्य किया जाएगा तथा इस वर्ष छात्रवृत्ति वितरण में किसी को समस्या नहीं होगी।कुलपति प्रो. मित्तल ने विद्यार्थियों को टैबलेट की उपयोगिता बताते हुए कहा कि यह केवल तकनीकी साधन नहीं, बल्कि ज्ञान की असीमित दुनिया तक पहुँचने का पासपोर्ट है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था तेज़ी से डिजिटलाइजेशन की ओर बढ़ रही है और विद्यार्थियों को 'Be Vocal for Local' की भावना के साथ आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान देना चाहिए।डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। प्रो. नरेंद्र कुमार ने बताया कि टैबलेट वितरण तीन चरणों में उन विद्यार्थियों को किया गया, जिनका डाटा शासन स्तर पर वेरिफाई हुआ था।टैबलेट प्राप्त कर विद्यार्थियों ने प्रसन्नता और उत्साह व्यक्त किया। अंत में डॉ. तरूणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उ.प्र. राज्य महिला आयोग में साइबर क्राइम और एआई विषयक कार्यशाला आयोजित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग में आज साइबर क्राइम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. बबीता सिंह चौहान, उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, सदस्य चारू चौधरी और सहायक पुलिस आयुक्त लखनऊ अरुण कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।कार्यशाला में अरुण कुमार ने विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों जैसे फिशिंग लिंक, विशिंग कॉल, ऑनलाइन मार्केट फ्रॉड, एटीएम कार्ड स्किमिंग, सिम स्वैपिंग, यूपीआई अकाउंट टेकओवर, चाइल्ड पोर्नोग्राफी, सेक्सटॉर्शन (हनी ट्रैप), फर्जी वेबसाइट और दस्तावेजों के जरिए लोन फ्रॉड, एमएलएम और पिरामिड स्कीम, फर्जी बैंक रिकवरी एजेंट धोखाधड़ी, क्रेडिट कार्ड एक्टिवेशन फ्रॉड, मेलवेयर हमले और कैशबैक ऑफर फ्रॉड आदि पर विस्तार से जानकारी दी।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने पाटा-2025 में बौद्ध विरासतों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई सशक्त उपस्थिति

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने राज्य की समृद्ध बौद्ध विरासतों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करते हुए एशिया प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन आयोजन 47वें पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (पाटा-2025) में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज कराई। राज्य का पवेलियन 'एम्बार्क ऑन योर बोधि यात्रा इन उत्तर प्रदेश' न केवल सबसे आकर्षक बना बल्कि विदेशी आगंतुकों और प्रतिनिधियों के बीच सबसे अधिक देखा गया।प्रदेश के प्रमुख बौद्ध स्थलों—सारनाथ, कपिलवस्तु, संकिसा, कौशाम्बी, श्रावस्ती और कुशीनगर—को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर विदेशी आगंतुकों को 'बोधि यात्रा' पर उत्तर प्रदेश आने का आमंत्रण भी दिया गया। पवेलियन का उद्घाटन थाईलैंड में भारत के राजदूत नागेश सिंह ने किया।26 से 28 अगस्त तक बैंकॉक के क्वीन सिरीकिट नेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में पर्यटन

उद्योग के प्रतिनिधियों, टूर एंड ट्रैवल क्षेत्र के पेशेवरों और साझेदारों के साथ सार्थक संवाद हुए। कार्यक्रम में प्रदेश की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और आध्यात्मिकता को रेखांकित किया गया। पवेलियन में आगंतुकों को विशेष रूप से 'बुद्धा राइस' (काला नमक चावल) भेंट किया गया।मंत्री पर्यटन एवं संस्कृति जयवीर सिंह ने बताया कि यह आयोजन राज्य के बौद्ध स्थलों की यात्रा और पर्यटन उद्योग की उत्साहजनक भागीदारी का साक्षी बना। सम्मेलन में 20 को-एग्जीबिटर्स ने बी-टू-बी (बिजनेस-टू-बिजनेस) बैठकें की और नए साझेदारी समझौतों पर हस्ताक्षर किए। बैंकॉक में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश पर्यटन ने नेटवर्किंग, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और साझेदारी को लेकर कई अहम पहल की।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश मंडप की पारंपरिक और आधुनिक प्रस्तुति शैली की भी सराहना की गई। पवेलियन में भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़े वृत्तचित्र और आधुनिक तकनीक से सजे स्टॉल ने दर्शकों को आकर्षित किया। आयोजन के उपरांत बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित भव्य रोड शो में भी उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग ने बौद्ध सर्किट और विविध पर्यटन अनुभवों पर विस्तृत प्रस्तुति दी।मुख्य सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि पाटा-2025 में मिली उत्साहजनक प्रतिक्रिया ने उत्तर प्रदेश को वैश्विक बौद्ध पर्यटन का केंद्र बनाने के राज्य सरकार के लक्ष्य को और मजबूत किया है।

पुरातत्तव अभिरुचि पाठ्यक्रम के दसवें दिवस पर कला, पुरावशेष संरक्षण और पुरातात्विक खोज पर विस्तृत व्याख्यान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा संचालित पुरातत्त्व अभिरुचि पाठ्यक्रम के दसवें दिवस पर कला, पुरातत्व और प्राचीन वस्तु संरक्षण के विविध पहलुओं पर केंद्रित तीन सत्रों का आयोजन किया गया। पहले सत्र में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भारत सरकार के अधीक्षण पुरातत्वविद (सेवानिवृत्त) इंद्र प्रकाश ने एंटीक्यूरियन लॉ विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि यह कानून 100 वर्ष से अधिक पुराने पुरावशेषों, मूर्तियों, शिलालेखों, पांडुलिपियों और सिक्कों के संरक्षण के लिए बनाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इनकी बिक्री, तस्करी या विदेश निर्यात पर सख्त प्रतिबंध है और सभी पुरावशेषों का पंजीकरण अनिवार्य है। इसके साथ ही उन्होंने 1958, 1972 और 1978 के अधिनियमों के महत्व तथा उनके लागू करने की प्रक्रियाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

थप्पड़ कांड के बाद नायाब तहसीलदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में जमीन खाली कराने गए नायब तहसील दार द्वारा किसान कप थप्पड़ मारने के मामले में धरना प्रदर्शन के बाद गुरुवार की रात पुलिस ने नायब तहसील दार व लेखपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मिर्जापुर गांव की रहने वाली माया देवी पत्नी राम मिलन रावत के अनुसार 25 अगस्त की दोपहर वह पति राम मिलन रावत के साथ पैतृक हाता पर जानवरों की देख-रेख कर रही थी।तभी नगर निगम से नायब तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव व लेखपाल सुभाष कौशल पुलिस बल के साथ आये और उनसे कहने लगे कि हम लोग अवैध कब्जा हटा रहे हैं और तुम लोग यहा से चले जाओ।उसके बाद पीड़िता ने कहा कि साहब यहां पर हमारे जानवरों का भूसा आदि रखा हुआ है एक घण्टे का समय दे दीजिए क्योंकि घर पर कोई और है नही पति बीमार है इनका

इलाज चल रहा है।इस पर नायब तहसीलदार आग-बबूला हो गये और राम मिलन को जातिसूचक गालियां देने लगे।पति ने जब विरोध किया तो नायब तहसीलदार ने उसे जोरदार थप्पड़ जड़ दिया जिससे वह गिर पड़े और बेहोश हो गये।इसी बीच पड़ोस की रहने वाली प्रेमा बीच बचाव करने लगी तो लेखपाल सुभाष कौशल ने उनका गला दबा दिया।इसके बाद जब ग्रामीण इकट्ठा होने लगे तो सभी अधिकारी वहां से भाग निकले थे।जिसकी शिकायत पीड़िता ने सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस से की थी लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नही की गई थी।उसके बाद ग्रामीण व कई सामाजिक संगठनों व किसान यूनियन के लोगों के थाने पर धरना प्रदर्शन किया था जहां एसीपी गोसाईगंज ऋषभ रूढवाल द्वारा कार्रवाई का आस्वाशन देकर धरना समाप्त करवा दिया गया था।लेकिन फिर भी कार्रवाई नही को गई तब लोगों ने गुरुवार को एसीपी गोसाईगंज के कार्यालय पर धरना दे दिया और कहा कि जब तक आरोपितों के खिलाफ मुकदमा नही लिखा जाएगा तब धरना चलता रहेगा।तब देर रात पुलिस ने नायब तहसील दार रत्नेश श्रीवास्तव व लेखपाल सुभाष कौशल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया तब जाकर धरना समाप्त हुआ।

कन्यादान में पिस्तौल और तलवार? निक्की हत्याकांड के बाद महापंचायत ने रखा अजीबो गरीब प्रस्ताव

में है। हमें बेटियों को आत्मनिर्भर, शिक्षित और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना होगा।

ग्रेटर नोएडा की दर्दनाक दहेज हत्या ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। इस घटना की गूँज अभी थमी भी नहीं थी कि बागपत में आयोजित 'केसरिया महापंचायत' ने एक ऐसा प्रस्ताव रखा जिसने बहस को नया मोड़ दे दिया। हम आपको बता दें कि पंचायत में कहा गया कि कन्यादान के समय बेटियों को सोना-चाँदी नहीं, बल्कि आत्मरक्षा के लिए तलवार, खंजर और पिस्तौल दिए जाएँ। यह विचार पहली नज़र में साहसिक प्रतीत होता है। निश्चय ही बेटियों की सुरक्षा आज हर माता-पिता की सबसे बड़ी चिंता है। दहेज के नाम पर हो रही प्रताड़ना और हत्याएँ इस बात का प्रमाण हैं कि समाज की सोच अभी भी कुरीतियों से बंधी हुई है। ऐसे में आत्मरक्षा के लिए तैयार रहने की बात आकर्षक लग सकती है।

लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हथियारों का प्रसार वास्तव में बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा? भारत जैसे लोकतांत्रिक और संवैधानिक देश में सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य की है, न कि प्रत्येक नागरिक को हथियार थमाकर 'खुद अपनी रक्षा करो' कह देने की। यदि हर घर में पिस्तौल और तलवारें बाँटी जाने लगेंगी तो यह सामाजिक हिंसा को और भड़का सकती हैं। आत्मरक्षा की जगह प्रतिशोध और अपराध की संभावनाएँ बढ़ जाएँगी।

सच यह है कि दहेज प्रथा और उससे उपजने वाली हिंसा का समाधान किसी हथियार में नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता और कानूनी व्यवस्था में सुधार में है। हमें बेटियों को आत्मनिर्भर, शिक्षित और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना होगा। साथ ही, दहेज-प्रताड़ना से जुड़े कानूनों का कड़ाई से पालन और त्वरित न्याय भी अनिवार्य है।

महापंचायत का सुझाव इस पीड़ा से उपजा है कि बेटियाँ विवाह के बाद सुरक्षित नहीं हैं। यह पीड़ा वास्तविक है, लेकिन समाधान भटका हुआ है। यदि हम हर बेटी को हथियार देंगे तो यह समस्या की जड़—दहेज की सामाजिक स्वीकार्यता और महिलाओं के प्रति भेदभाव—को छू भी नहीं पाएगा। इसलिए, समाज को यह समझना होगा कि दहेज और महिला हिंसा की समस्या केवल सामूहिक चेतना और न्यायपूर्ण व्यवस्था से मिटाई जा सकती है। हमें यह तय करना होगा कि हम बेटियों को एक भयभीत समाज में हथियार देकर छोड़ना चाहते हैं या एक सुरक्षित और सम्मानजनक समाज का निर्माण करना चाहते हैं।

हम आपको बता दें कि इस सभा में अधिकतर राजपूत समुदाय के लोग शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा कि आज की परिस्थितियों में पारंपरिक दहेज बेटियों की रक्षा करने में असफल है। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष ठाकुर कुँवर अजय प्रताप सिंह ने कहा कि हम बेटियों को सोना-चाँदी देते हैं, जिसका कोई उपयोग नहीं। बाजार जाती हैं तो लूटपाट का खतरा रहता है। बेहतर है कि उन्हें आत्मरक्षा के लिए हथियार दिए जाएँ। उनका तर्क था कि बदलते सामाजिक हालात में बेटियों को आत्मरक्षा के लिए तैयार करना आवश्यक है, भले ही यह कोई पूर्ण समाधान न हो।

हम आपको यह भी बता दें कि महापंचायत का वीडियो सामने आने पर पुलिस ने जाँच शुरू कर दी है। बागपत एसपी सूरज राय के अनुसार, "सोशल मीडिया के माध्यम से घटना की जानकारी मिली है। मामले की जाँच सर्किल अफसर को सौंपी गई है और तथ्य सामने आने के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

बहरहाल, दहेज हत्या और महापंचायत के इस प्रस्ताव ने भारतीय समाज के सामने एक बड़ा सवाल रख दिया है— क्या बेटियों की सुरक्षा का समाधान हथियार हैं या हमें सामाजिक मानसिकता और कानूनी व्यवस्था में ठोस बदलाव लाने होंगे? हकीकत यह है कि जब तक दहेज जैसी कुप्रथा और महिलाओं पर हिंसा को लेकर समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक न सोना-चाँदी और न ही तलवार-पिस्तौल, बेटियों को असली सुरक्षा दे पाएँगे।

इन्फ्लूएंसरों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग आखिर कब तक

दरअसल फूहड हास्य कार्यक्रमों और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रस्तुत सामग्री में मीडिया इन्फ्लूएंसरों द्वारा लोगों का बैखोफ उपहास उड़ाया जाना आम होता जा रहा है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी की भी मजाक उड़ाना या उपहास का पात्र बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। पिछले कुछ सालों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग आम होता जा रहा है। यहां तक कि स्वतंत्रता के नाम पर समाज में वैमनस्य बढ़ाना, वर्ग विशेष के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी करना, धार्मिक भावनाओं को आहत करना इन उपहास कर्ताओं के लिए तो सामान्य होता जा रहा है तो राजनीतिक व सोशल एक्टिविस्ट भी इसमें पीछे नहीं है। ऐसे में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश महत्वपूर्ण हो जाते हैं। माननीय न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची की सरकार को गाइड लाईन जारी कर सीमाओं में बांधने और इस तरह के इन्फ्लूएंसरों के खिलाफ सख्त टिप्पणी व उसी स्तर की सार्वजनिक माफी मांगने के निर्देश आवश्यक हो गए थे। हालांकि यह आदेश स्पाइनल मस्कुलर एट्रोपी एसएमए से पीड़ति व्यक्तियों का समय रैना व अन्य द्वारा उपहास उड़ाने से संबंधित प्रकरण में दिए गए हैं। आदेश में दिव्यांगों का उपहास करने को गंभीरता से लिया गया है और साफ निर्देश दिए गए हैं कि जिस स्तर पर उपहास उड़ाया गया ठीक उसी स्तर पर माफी भी मांगी जाए। इसका सीधा सा अर्थ यह हुआ कि माफी की औपचारिकता से काम नहीं चलने वाला है।

व्यूअरशिप, फोलोवर्स या व्यूज बढ़ाने के लिए जिस तरह से सोशल मीडिया या यों कहे कि इंटरनेटी संसाधनों का उपयोग करते हुए किसी को भी उपहास का पात्र बनाना आम होता जा रहा है, उस पर लगाम की आवश्यकता लंबे समय से चली आ रही थी और ऐसे में देश में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति द्वय जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची द्वारा की गई टिप्पणी ऐसे तत्वों और सरकार दोनों के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है। दरअसल फूहड हास्य कार्यक्रमों और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रस्तुत सामग्री में मीडिया इन्फ्लूएंसरों द्वारा लोगों का बैखोफ उपहास उड़ाया जाना आम होता जा रहा है। ऐसे लोग अपने आपको समाज के विशिष्ट व्यक्ति बनने और दिखाने का प्रयास करते हैं। दावा करते है कि उनके इतने फोलोवर्स है या इतने व्यूअर्स है। पर सवाल यह उठता है कि किसी की मजाक उडाने या उपहास करने का अधिकारी आपको कौन देता है। हेट स्पीच और उसको सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित करने के दुष्परिणाम सामने हैं। छोटी सी टिप्पणी कभी कभी तो असामाजिक तत्वों के लिए अच्छा अवसर बन जाती है और कानून व्यवस्था को प्रभावित करने तक की सीमा तक पहुंच जाती है। मजे की बात यह है कि हेट स्पीच या ऐसी टिप्पणी करने वालों पर कार्रवाई होते ही तथाकथित वुद्धिजीवियों की टीम सक्रिय हो जाती है।

यह तथाकथित कोमेडियन और सोशल इन्फ्लूएंसर अपनी टिप्पणियों की बदौलत व्यूअरशिप बढ़ाते हैं और अनाप शनाप पैसा कमाते हैं, अपनी जेब भरते है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इसे गंभीरता से लिया है और इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत टिप्पणी नहीं मानते हुए व्यावसायिक गतिविधि करार दिया है। वैसे भी सामान्य नैतिकता का सवाल भी यह उठता है कि आपकों किसी अन्य की विकलांगता या अन्य टिप्पणी को अधिकार कैसे मिल सकता है। कैसे आप किसी को उपहास का पात्र बना सकते हैं तो कैसे आप अनर्गल टिप्पणी कर सकते हैं। हालांकि आजकल हेट स्पीच को लेकर तो न्यायालयों में जाने का चलन बढ़ा है और यह जरुरी भी हो जाता है। सोशल मीडिया के नाम पर आप किसी की निजता पर कीचड़ नहीं उछाल सकते हैं।

यह निर्णय इस मायने में अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि कामेडियन्स या इन्फ्लूएंसर्स द्वारा जिस तरह से इस तरह की गतिविधियां आम होती जा रही है उस पर सख्त लगाम कसना जरुरी हो जाता है। यदि इसी मामलें को देखा जाए तो एक तो ऐसे व्यक्तियों के साथ वैसे ही अन्याय हुआ है और फिर उस शारीरिक विकलांगता का मजाक उड़ाना या निशाना बनाना कहां की नेतिकता हो सकती है। इसके अलावा इंस्ट्राग्राम, वाट्सएप इसी तरह के सोशल मीडिया साइट पर अनर्गल टिप्पणियां या किसी घटना विशेष पर इस तरह की प्रतिक्रिया देकर तनाव के हालात पैदा कर देना या इसी तरह के हालात पैदा करने से आपका शौक तो पूरा हो जाता है पर उसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म को सीमाओं में बांधना जरुरी हो जाता है। शहरों में आए दिन दंगे तनाव के हालात बनना आम होता जा रहा है। न्यायालय की टिप्पणी के मध्येनजर सोशल मीडिया प्लेटफार्म संचालकों को भी इस तरह की टिप्पणियों या सामग्री को फिल्टर करने आगे आना चाहिए। अभी तो होता यह है कि चाहे किसी भी तरह की रील हो यदि उसकी व्यूअरशिप ठीक आ जाती है तो कमाई का माध्यम बन जाती है जबकि होना यह चाहिए कि ऐसे इन्फ्लूएंसरों पर सख्ती होने के साथ ही साथ इस तरह की टिप्पणी या रील उसी व्यक्ति द्वारा करने पर ऐसे अकांउट को ब्लेक लिस्ट करते हुए ब्लॉक कर दिया जाना चाहिए।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपना काम कर दिया है। देर सबेर सरकार भी गाइडलाइन जारी कर देगी। हो सकता है सख्त प्रावधान भी कर दे पर समस्या का समाधान आसानी से होता लगता नहीं हैं। ऐसे में आम आदमी को भी आगे आना होगा तो गैर सरकारी संगठनों, सामाजिक संगठनओं और खासतौर से तथाकथित वुद्धिजीवियों को सकारात्मक सोच के साथ आगे आना होगा तभी कामेडियनों और सोशल इन्फ्लूएंसरों पर प्रभावी रोक संभव हो सकेगी।

अजब-गजब

चीन में वैज्ञानिकों ने की अनोखी खोज, ढूंढ निकाली इंसानों की अजीबोगरीब प्रजाति

दुनियाभर में अक्सर तरह-तरह की खोजें होती रहती हैं, जो न सिर्फ लोगों को बल्कि वैज्ञानिकों को भी हैरान कर देती हैं। ऐसी ही एक खोज चीन में हुई है, जिसने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया है। जर्नल ऑफ ह्यूमन इवोल्यूशन में प्रकाशित एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि चीन के वैज्ञानिकों की एक टीम ने दक्षिण-पूर्वी चीन की हुआलोंगडोंग गुफा में 21 जीवाश्म दांतों की खोज की है। दावा किया जा रहा है कि ये अवशेष लगभग 3 लाख साल पुराने हो सकते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अवशेष पुरातन और आधुनिक मानव विशेषताओं का एक अप्रत्याशित मिश्रण दर्शाते हैं, जिससे लगता है कि उस जमाने में ऐसे भी इंसान थे, जिनके बारे में किसी को भी नहीं पता। साल 2006 में पहली बार हुई खुदाई में हुआलोंगडोंग में कम से कम 16 जीवों के अवशेष मिले थे, जो मध्य प्लेइस्टोसिन काल के थे। इस काल को मानव उत्पत्ति को समझने के लिए महत्वपूर्ण काल माना जाता है। वैसे अब तक वैज्ञानिकों का ज्यादातर ध्यान प्राचीन काल की खोपड़ियों और हड्डियों पर था, लेकिन अब वह दांतों पर रिसर्च करने में जुटे हुए हैं।

हुआलोंगडोंग में मिले जीवाश्मों में सिर्फ दांत ही भ्रम पैदा करने वाला हिस्सा नहीं हैं बल्कि उसी जगह से मिले कंकाल अवशेषों के पहले के विश्लेषणों से आधुनिक इंसानों के समान चेहरे की संरचना का पता चला था, जिसमें अपेक्षाकृत सपाट चेहरे और छोटे जबड़े शामिल थे, लेकिन अंगों के अनुपात और शारीरिक ढांचे बहुत पहले की प्रजातियों से मिलते जुलते थे। वैज्ञानिकों के मुताबिक, उनके चेहरे आधुनिक थे, लेकिन शरीर पुरातन थे और अब उनके दांत भी यही कहानी बयां करते हैं। इससे ये बात पुख्ता होती है कि हुआलोंगडोंग होमिनिन सिर्फ ज्ञात प्रजातियों का एक और स्थानीय रूप नहीं थे बल्कि संभवतः पूरी तरह से कुछ और ही थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंसानों की ये आबादी संभवतः किसी पहले से अज्ञात प्रजाति का प्रतिनिधित्व करती है जो आधुनिक मानव से नजदीक से संबंधित है और पूर्वी एशिया में अलग-थलग होकर विकसित हुई। अनुमान है कि ये वंश होमो सेपियन्स वंश से प्रारंभिक रूप से अलग हुआ होगा और निएंडरथल या डेनिसोवन से अलग रहा होगा। ये भी कहा जा रहा है कि इस क्षेत्र में आने वाले प्रारंभिक आधुनिक इंसानों और चीन में सैकड़ों हजारों वर्षों से रह रहे अवशेष होमो इरेक्टस आबादियों के बीच अंतःप्रजनन का परिणाम हो सकते हैं।

ब्लॉग

विश्वगुरु बनने की नई इबारत लिखता भागवत का उद्बोधन

ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित वार्षिक व्याख्यानमाला केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। संघ सरचालक मोहन भागवत ने इन व्याख्यानों में जिस स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, उन्होंने संघ की विचारधारा के प्रति व्याप्त भ्रांतियों का निवारण करने के साथ-साथ भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है,नए मनुष्य का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

हिंदुत्व को लेकर जो भ्रांतियाँ फैलाई जाती रही हैं, उन्हें भी भागवत ने तार्किक ढंग से दूर किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी संकीर्ण परिभाषा का नाम नहीं है। यह कोई धर्म विशेष की पूजा-पद्धति या संप्रदाय नहीं है। हिंदुत्व भारतीय जीवन दृष्टि है, वह व्यापक सांस्कृतिक धारा है, जिसमें करुणा, समरसता, सेवा, अहिंसा, सत्य और आत्मानुभूति का सम्मिलन है। हिंदुत्व सबको जोड़ता है, किसी को अलग नहीं करता। यह भारत की आत्मा है और इसी आत्मा के बल पर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्राप्त हो सकती है। इस स्पष्ट व्याख्या ने उस संदेह को भी दूर किया कि संघ का हिंदुत्व राजनीतिक या सत्ता प्राप्ति का साधन है। वास्तव में यह संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में बांधने वाली दृष्टि है, जिसमें भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है। दूसरे दिन के वक्तव्य में भागवत ने और गहराई से विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने पंचकर्म की चर्चा करते हुए कहा कि जैसे आयुर्वेद में पंचकर्म शरीर की शुद्धि का साधन है, वैसे ही समाज की शुद्धि और पुनर्निर्माण के लिए भी पंचकर्म आवश्यक है। उन्होंने पांच आयाम बताए-चरित्र निर्माण, संगठन निर्माण, समरसता, गरीब का उत्थान और आध्यात्मिक जागरण। यह पांचों पहलू किसी भी समाज के स्थायी स्वास्थ्य और विकास के आधार हैं। केवल राजनीतिक सुधार या आर्थिक प्रगति से राष्ट्र महान नहीं बनता, बल्कि तब बनता है जब व्यक्ति का चरित्र शुद्ध हो, समाज संगठित हो, उसमें समरसता हो, कमजोर वर्ग को उत्थान मिले और राष्ट्र का जीवन उच्च आध्यात्मिक मूल्यों से संपन्न हो।

विशेष रूप से गरीब आदमी के उत्थान पर भागवत का जोर उल्लेखनीय था। उन्होंने कहा कि भारत तभी सशक्त होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचे। यह विचार महात्मा गांधी के 'अंत्योदय', विनोबा भावे के 'सर्वोदय' और दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' की पुनर्स्मृति कराता है। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास के लाभ समाज के सभी तबकों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। यदि इस खाई को नहीं भरा गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी रह जाएगी। भागवत का दृष्टिकोण यह है कि राष्ट्र तभी महान बन सकता है जब उसका सबसे कमजोर नागरिक भी गरिमा और सम्मान के साथ जीवन जी सके। धर्मों की एकता पर उनका दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण था। भारत का इतिहास यही बताता है कि यहां विविधता में एकता की परंपरा रही है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन-सभी धर्म इस भूमि पर फले-फूले हैं और सभी का मूल संदेश करुणा, सेवा और मानवता रहा है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब धर्म को सत्ता की राजनीति से जोड़ा जाता है। भागवत का कहना था कि यदि हम धर्मों के मूल्यों को देखें तो उनमें कोई टकराव नहीं है। सबका आधार प्रेम, सत्य और सेवा है। यही साझा आधार भारत को एक ऐसा समाज बनाने में सक्षम है, जो विश्व के लिए अनुकरणीय हो।

भागवत के विचार निश्चित रूप से भारत की सांस्कृतिक परंपरा और संघ की कार्यप्रणाली को नई स्पष्टता देते हैं, लेकिन यहां यह प्रश्न भी उठता है कि इन विचारों को व्यवहार में उतारने की राह कितनी सरल है? समाज की जटिलताओं, जातीय और धार्मिक तनावों, राजनीतिक स्वार्थों और आर्थिक विषमताओं के बीच नया मनुष्य बनाना एक दीर्घकालिक साधना है। आलोचक कहते हैं कि संघ के पास विचार तो हैं, लेकिन उनकी जड़ें अभी तक समाज के सभी वर्गों तक गहराई से नहीं पहुँची हैं। विशेषकर अल्पसंख्यक समुदायों में संघ के प्रति संदेह आज भी विद्यमान है। इसलिए केवल वक्तव्यों से नहीं, बल्कि ठोस और पारदर्शी कार्यों से यह भरोसा पैदा करना होगा कि संघ का हिंदुत्व वास्तव में सर्वसमावेशी है। इसी तरह गरीब के उत्थान और धर्मों की एकता की बातें विचारणीय हैं, किंतु यह भी देखना होगा कि क्या संघ और उससे जुड़े संगठन इस दिशा में ठोस योजनाएं और परिणाम दे पा रहे हैं? आलोचक यह प्रश्न उठाते हैं कि विकास की मुख्यधारा में गरीबों की स्थिति सुधारने में सामाजिक संगठनों से अधिक भूमिका सरकार की रही है। अतः यदि संघ इन बिंदुओं को अपनी कार्ययोजना का मूल बनाए, तो उसे केवल नैतिक आह्वान से आगे बढ़कर व्यावहारिक नीतियां और कार्यक्रम तैयार करने होंगे। तभी यह दृष्टि प्रभावी सिद्ध होगी और भारत सचमुच उस दिशा में बढ़ सकेगा, जिसकी परिकल्पना व्याख्यानमाला में की गई।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की यह व्याख्यानमाला केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है-नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो यह संकल्प पूरे समाज का होना चाहिए।

संघ को लेकर लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि उसकी विचारधारा संकीर्ण है, वह केवल बहुसंख्यक समाज का प्रतिनिधित्व करता है, उसमें अल्पसंख्यकों के लिए कोई स्थान नहीं है। भागवत के इन वक्तव्यों ने यह स्पष्ट कर दिया कि संघ का दृष्टिकोण न तो संकीर्ण है और न ही बहिष्कृत करने वाला। संघ का हिंदुत्व सर्वसमावेशी है, जिसमें सभी धर्म और सभी आस्थाएं स्थान पा सकती हैं। इसका उद्देश्य सत्ता की राजनीति नहीं, बल्कि समाज का नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण है। संघ की शताब्दी का यह अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज भारत का भविष्य एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर आर्थिक प्रगति, तकनीकी उपलब्धियां और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा है, तो दूसरी ओर आंतरिक चुनौतियां भी हैं-सामाजिक असमानता, जातीय तनाव, धार्मिक विद्वेष और मूल्यहीन राजनीति। इन चुनौतियों का समाधान केवल बाहरी सुधारों से नहीं, बल्कि भीतर से परिवर्तन लाने से होगा। यही संघ की कार्यप्रणाली है और यही भागवत का संदेश है। नये क्षितिज की ओर व्याख्यानमाला एक निष्कर्ष की ओर ही नहीं, बल्कि एक प्रश्न की ओर भी ले जाती है, क्या हम भारत को केवल भौतिक अर्थों में शक्तिशाली बनाना चाहते हैं या उसे वास्तव में विश्वगुरु बनाना चाहते हैं? यदि उत्तर दूसरा है, तो हमें भागवत के सन्देश को क्रियान्विति का धरातल देना ही होगा। दुनिया के लिये अपनेपन का नजरिया विकसित करना होगा, सौदे का नहीं।

जीजा बना फर्जी दारोगा, साले को बनाया फॉलोअवर... 5 साल तक जमकर की ठगी, फिर ऐसे हुआ भंडाफोड़

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक फर्जी दारोगा और उसके साले को सजेती पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी आजाद सिंह नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे वसूल रहा था। उसके पास से फर्जी आईडी एयर पिस्टल और पुलिस की वर्दी बरामद हुई है। पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वह कई जगहों पर ठगी करके भागा है और अपने नाम भी बदलता रहा है। पूछताछ के दौरान पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है कि जीजा फर्जी दरोगा और साला उसका फॉलोअर बनकर लोगों को हड़काते। फिर उनसे वसूली करते।

फर्जी दारोगा ने कई लोगों से पुलिस में नौकरी लगवाने के नाम पर रुपये ले रखे हैं। इसके साथ ही क्षेत्र में वाहनों से भी वसूली कर चुका है। दोनों पर रिपोर्ट दर्ज करके कार्रवाई की जा रही है। फर्जी दारोगा की पहचान आजाद सिंह पुत्र मान सिंह के रूप में हुई है। वह बीते कुछ वर्ष से डुहरू स्थित अपनी ससुराल में रह रहा था। उसने साले डुहरू निवासी 21 वर्षीय सौरभ सिंह भदौरिया पुत्र जयवीर सिंह को अपना फॉलोवर बनाकर रखा हुआ था।

गांव में सब कोई उसे दारोगा ही मानते था। डुहरू के साथ ही आसपास के गांव अमौली, कोहरा में उसके द्वारा लोगों की नौकरी लगवाने के नाम पर रुपये वसूलने की बात भी आई है। यही नहीं, पुलिस में पूछताछ के दौरान पाया कि पिछले 5 सालों में जीजा साले ने मिलकर बांदा, हमीरपुर, इटावा, और उन्नाव जैसे जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों से पुलिस का रौब दिखाकर वसूली की है।

बरामद हुई एयर पिस्टल और बाइक

पुलिस को उसके पास से तीन फर्जी आईडी, एक वर्क गश्ती प्रपत्र, एक मोबाइल, दो बेल्ट, तीन नेमप्लेट, चार पीतल के स्टार, दो पी कैप और एक बैरेट कैप, एक पुलिस का प्रतीक चिह्न, एक एयरर पिस्टल मय होलस्टर और एक बाइक बरामद हुई है।

इस तरह चढ़ा पुलिस के हत्थे

पुलिस ने बताया- अमौली में हुई एक चोरी के एक मामले में पुलिस कुछ संदिग्धों को उठाकर जांच कर रही थी। पुलिस को एक बाहरी कार के गांव आने-जाने का भी पता चला था। लोगों ने बताया कि कार चालक पुलिस विभाग में ही दारोगा है। पुलिस ने इस पर फोन करके उसे बुलाया तो वह थाना पहुंचा। पुलिस से बातचीत में वह गोलमोल बातचीत करने लगा तो पुलिस को शक हुआ। पुलिस ने उससे पीएनओ नंबर मांगा तो उसने नहीं दिया। इसके बाद उसे बैठा लिया गया।

पुलिस को गुमराह करने की कोशिश

पूछताछ में उसने बताया- उसका नाम आजाद कुमार जादौन है और वह कौशांबी जिले का रहने वाला है। बताया कि उसकी तैनाती 2019 में हुई थी और वर्तमान पोस्टिंग प्रयागराज के धूमनगंज कोतवाली में है। लेकिन, पुलिस ने जब वहां जानकारी की तो पता चला कि इस नाम का कोई दारोगा यहां नहीं है। इसके बाद कभी वह इटावा तो कभी हमीरपुर में तैनाती बताने लगा। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि वह कई जगहों से ठगी करके भागा है। पूछताछ में वह अपने नाम भी बदलता रहा। पुलिस के मुताबिक आरोपी के पता और नाम की पुष्टि की जा रही है।

महिला चिकित्साधिकारी डॉ. रश्मि के नेतृत्व मे शांतिनगर मे स्वास्थ्य विभाग का शिविर आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

पूरनपुर, पीलीभीत। सीएमओ के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा ट्रांसशारदा क्षेत्र में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। पूरनपुर से पहुंची स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की और खासतौर पर मलेरिया व टाइफाइड जैसी मौसमी बीमारियों पर ध्यान केंद्रित किया।शिविर का नेतृत्व महिला चिकित्साधिकारी डॉ. रश्मि ने किया।उन्होंने मरीजों की जांच के साथ आवश्यक परामर्श भी दिया। डॉ. रश्मि ने कहा बरसात के मौसम में मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा अधिक होता है। यदि लोग स्वच्छ पानी पिएं, आसपास गंदगी न होने दें और समय पर जांच करवाएँ तो इन बीमारियों से आसानी से बचा जा सकता है।इस मौके पर शांति नगर के प्रधान भी उपस्थित रहे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा "ऐसे शिविर ग्रामीणों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। गांवों में समय पर जांच और दवा मिलने से बड़ी बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।"

मोहन भागवत के समर्थन में उतरे मौलाना शहाबुद्दीन, कहा– समाज को जोड़ने वाली है संघ प्रमुख की सोच

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख डॉ मोहन भागवत का भाषण और उनका लेख कई दिनों से चर्चा में बना हुआ है। जहां एक तरफ कई मुस्लिम संगठन उनके बयानों की आलोचना कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी भागवत के समर्थन में उतर आए हैं। मौलाना ने कहा कि आरएसएस भारत का सबसे बड़ा संगठन है। देश में किसी भी धर्म के मानने वालों का इतना बड़ा संगठन अभी तक वजूद में नहीं आया है।

मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मोहन भागवत ने समाज को जोड़ने के लिए विभिन्न मौकों पर ऐसी बातें कही हैं, जिससे देश में सकारात्मक सोच विकसित हुई। उन्होंने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर मत तलाश करो , यही बात फिर उन्होंने दोहराई है। विज्ञान भवन दिल्ली के सम्मेलन में भागवत ने कहा कि हर जगह शिवलिंग मत तलाश करो। साथ ही सभी लोगों को साथ में लेकर चलने की बात कही। कहा कि जब सब लोग मिलकर साथ चलेंगे तो देश तरक्की करेगा।

'टकराव और नफरत से तरक्की नहीं हो सकती'

मौलाना ने कहा कि संघ प्रमुख की सकारात्मक सोच देश में बढ़ते हिंदू-मुस्लिम तनाव को कम करेगी। उनके बयानों और लेखों को सभी समुदाय के लोग को सकारात्मक सोच के साथ सुनना और पढ़ना चाहिए। मौलाना ने कहा कि अब बहुत सारे ऐसे संगठन जो देश में उपद्रव मचाते रहते हैं। आपसी टकराव और नफरत से न खुद कोई तरक्की कर सकता है और न समाज व न देश आगे बढ़ सकता है। तरक्की के लिए सभी समुदाय के लोगों को एक साथ मिलजुल कर चलना होगा।

बीते दो वर्षों में धार्मिक स्थलों को बनाया गया निशाना

शहाबुद्दीन रजवी ने आगे कहा कि बीते दो वर्षों में देखा जा रहा है कि देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक स्थलों जैसे मस्जिद, मदरसा , मकबरों और मजारों को कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा निशाना बनाया गया। जिसकी वजह से हालात तनावपूर्ण हो गए। सरकारों को हस्तक्षेप करके मामले को निपटाना पड़ा। संघ प्रमुख के इन प्रयासों के बाद मुसलमानों को उम्मीद जगी है कि अब देश में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर रोक लगेगी। सौहार्दपूर्ण वातावरण कायम होगा।

अर्द्ध विक्षिप्त युवक द्वारा फोन से युवक की हत्या की सूचना देने पर दौड़ी पुलिस, मामला फर्जी निकला

दियोरिया, पीलीभीत। एक अर्द्ध विक्षिप्त युवक द्वारा फोन पर पुलिस को दी गयी सूचना में बताया कि पांच बदमाशों द्वारा ताबड़तोड़ फायरिंग कर एक युवक की हत्या कर दी है । उक्त सूचना पर पुलिस के हाथ पैर फूल गये। आनन-फानन में पुलिस मौके पर जा पहुंची । उधर अर्द्ध विक्षिप्त ने सिम निकाल कर जेब में रख ली। पुलिस द्वारा फोन करने पर जब फोन नहीं लगा तो ग्रामीणों से पूछताछ की जोकि मामला फर्जी निकला। पुलिस ने अर्द्ध विक्षिप्त की तलाश कर उसके परिजनों की जमकर फटकार लगाते हुए अर्द्ध विक्षिप्त को मोबाइल न देने की हिदायत देकर बैरंग वापस लौटी। गौरतलब हो कि कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुड़िया निवासी अर्द्ध विक्षिप्त अचल ने पीआरबी व पुलिस को 28 अगस्त को 5 बजे फोन पर सूचना देकर बताया कि गांव में पांच बदमाशों ने आकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहशत फैलाते हुते एक युवक को गोली मारकर उसकी हत्या कर दी है ।

पत्नी की मौत से लगा ऐसा सदमा, चंद घंटों में पति ने भी तोड़ा दम... एक साथ उठी दोनों की अर्थी

आर्यावर्त संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। यहां पत्नी की मौत के कुछ ही घंटे बाद ही पति ने भी दम तोड़ दिया। दोनों की अर्थियां एक साथ उठीं। फिर एक साथ ही दोनों की चिताएं भी जलीं। यह दृश्य देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। मामला ग्राम क्योटरा का है। गांव वालों के लिए यह मंजर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं था।

70 वर्षीय कृष्ण दत्त पांडे और उनकी पत्नी 68 वर्षीय दुर्गा पांडे के बीच का प्रेम गांव के लिए हमेशा एक मिसाल रहा। बीते कुछ दिनों से बीमार चल रही दुर्गा पांडे ने बीती रात अंतिम सांस ली। जैसे ही पत्नी का निधन हुआ, यह सदमा पति कृष्ण दत्त पांडे बर्दाश्त न कर सके। और कुछ ही घंटों बाद उन्होंने भी हमेशा के लिए दुनिया को अलविदा कह दिया। सुबह जब गांव वालों को दोनों की मौत की खबर मिली तो पूरे गांव में मातम छा गया।

गांव की गलियों से जब पति-पत्नी की दोनों अर्थियां एक साथ उठीं, तो हर किसी की आंखें भर आईं। अंतिम संस्कार के दौरान जब पति-पत्नी की चिताएं एक साथ जलने लगीं, तो वहां मौजूद हर इंसान का दिल भर आया। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसा दृश्य रुला देने वाला होता है।

मृतकों के परिवार में दो पुत्र विकास पांडे और विमल पांडे हैं, जबकि उनकी एक पुत्री का विवाह हो चुका है। गांव के बुजुर्गों ने कहा कि यह घटना आने वाली पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी और सच्चे रिश्तों की परिभाषा बनेगी।

पत्नी की लाश देख चुपचाप बैठ गए थे कृष्ण पांडे

परिवार ने बताया- बुधवार को दुर्गा पांडे की मौत हो गई थी। शव गांव पहुंचा तो कृष्ण दत्त चुप सा होकर एक कोने में बैठ गए। कुछ ही घंटों बाद पति कृष्ण दत्त ने भी दुनिया छोड़ दी। गुरुवार सुबह दंपति की अर्थियां एक साथ उठीं। अंतिम संस्कार के दौरान पूरा गांव श्मशान घाट पर उमड़ पड़ा। दोपहर एक बजे दोनों की चिताएं साथ-साथ जलीं तो माहौल बेहद भावुक हो उठा।

जीत हार की बाजी लगाने वाले चार जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे को

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। सार्वजनिक स्थान पर जीत-हार की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे 04 जुआरी को जमालपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं।मौके से ₹ 1750/- नगद व 52 ताश के पत्ते बरामद हुए हैं। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ एवं जुआरियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में अभियान चलाकर कार्यवाही करने हेतु समस्त थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में गुरुवार को थाना जमालपुर पुलिस द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मठना नहर पुलिया के पास से दबिश देकर सार्वजनिक स्थान पर जीत-हार की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे 04 जुआरियों आशुतोष पटेल उर्फ सोनू पुत्र ओमप्रकाश पटेल, जीवनदीप पटेल पुत्र घनश्याम पटेल, बुद्धू पुत्र मक्कर व दीना पटेल पुत्र स्व0किशोरी पटेल निवासी मठना थाना जमालपुर को गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से मालफड़ से ₹ 1450/-, जमातलाशी से ₹ 300/- (कुल ₹ 1750/-) व 52 ताश के पत्ते बरामद किया गया है। थाना जमालपुर पर मु0अ0सं0-137/2025 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही हैं।

पीतल की थाली को लेकर हुआ झगड़ा... पत्नी और एक महीने के बेटे पर पति ने बरसाई बेल्ट, बच्चे के कानों से आने लगा खून

आर्यावर्त संवाददाता

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में एक शख्स ने अपनी पत्नी और एक महीने के बच्चे को बेल्ट से इतना पीटा कि मासूम के दोनों कानों से खून आ गया। मामले को लेकर बताया गया कि पति शराब का आदी है। उसने शराब पीने के लिए अपनी पैतृक जमीन तक बेच डाली। हद तो तब हो गई, जब वह शराब पीने के लिए अपने घर में रखे सामान तक बेचने पर उतारू हो गया। इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता है।

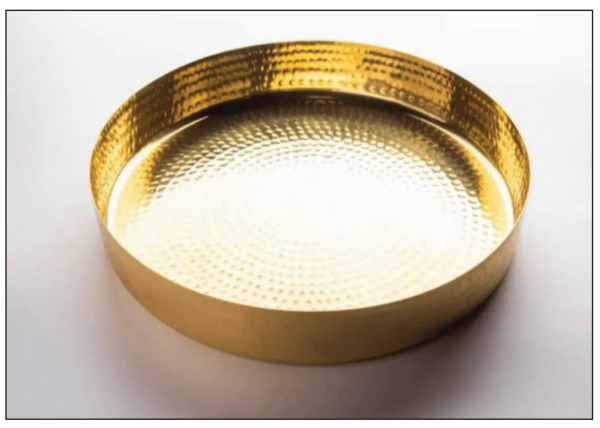

ये मामला हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव रखेड़ा से सामने आया है। यहां रहने वाला राकेश शराब पीने का आदी है। राकेश ने शराब के लिए अपनी पैतृक संपत्ति तक बेच दी थी। अब वह शराब पीने के लिए घर में रखा सामान भी बेचने लगा था। पति की शराब पीने की आदत को लेकर उसका अपनी पत्नी के साथ अक्सर विवाद होता था। घटना वाले दिन भी पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ और राकेश ने पत्नी को बेल्ट से पीटना शुरू कर दिया। पत्नी की गोद में एक महीने 10 दिन का मासूम था। पत्नी के साथ-साथ मासूम को भी बेल्ट लगी, जिससे बच्चा घायल हो गया।

पत्नी और 1 महीने के मासूम को पीटा

राकेश ने शराब खरीदने के लिए घर में रखी पीतल की तीन थाली बाजार में किसी को बेच दी थी। इस बात को लेकर राकेश की पत्नी को पता लगा तो उसने इस बात का विरोध किया। पत्नी के विरोध करने पर राकेश आग बबूला हो गया और वह बेल्ट से पत्नी को पीटने लगा। इसी दौरान पत्नी की गोद में सो रहे एक माह 10 दिन के मासूम पर भी राकेश ने नशे में बेल्ट मारना शुरू कर दिया।

बच्चे के दोनों कानों से आने लगा खून

पिटाई से मासूम विराज के सिर में गंभीर चोट आ गई और बच्चे के दोनों कानों से खून आने लगा। मासूम की हालत बिगड़ती देख मां भागकर नजदीकी अस्पताल लेकर गई और बच्चे को भर्ती कराया। डॉक्टरों ने विराज का इलाज शुरू किया, जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। ये मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है कि कैसे एक हैवान पिता ने अपने ही मासूम को बेरहमी से पीटा।

प्रशासन ने दो कंटेनर को जब्त किया

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में बाराबंकी पुलिस द्वारा अवैध शराब की तस्करी में पकड़े गये वाहनों को आबकारी अधिनियम की धाराओं में जिलाधिकारी बाराबंकी को आख्या प्रेषित कर जब्त करने की कार्यवाही की जा रही है जिसका विवरण निम्नवत है। थाना रामसनेहीघाट पुलिस द्वारादो वाहन कंटेनर SWIFT VDI वाहन संख्या- HR 06 V 9128 व SWIFT DIZIRE वाहन संख्या- HR 12 AF 2120 से अवैध रूप से हरियाणा राज्य से अवैध अंग्रेजी शराब को उत्तर प्रदेश राज्य में बिक्री के उद्देश्य से परिवहन करते समय अभियुक्तगण अनमोल चौधरी पुत्र अजब सिंह निवासी कलसी पो० गंगोह थाना गंगोह जनपद सहारनपुर उ०प्र० संजीत पुत्र जय भगवान निवासी निम्बरी पोस्ट छाजपुर थाना सदर जनपद पानीपत, हरियाणा विकास मलिक पुत्र वीरेन्द्र सिंह निवासी निम्बरी पोस्ट छाजपुर थाना सदर जनपद पानीपत, हरियाणा, रवि साहू पुत्र प्रदीप साहू, निवासी बीबीपुर पोस्ट बीबीपुर थाना सदर, जनपद जीन्द (हरियाणा) को कोटवा सड़क फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार कर कब्जे से 46 बोतल ब्लण्डर प्राइड 750 एम०एल० व 172 बोतल रायल स्टैग 750 एम०एल० अवैध शराब हरियाणा प्रान्त का बरामद किया गया था। जिसके सम्बन्ध में थाना रामसनेहीघाट पर मु0अ0सं0 222/2021 धारा 419/420/467/468/471 भादवि व 60/63/72 आबकारी अधिनियम बनाम अनमोल चौधरी आदि 4 नफर पंजीकृत किया गया था। पुलिस द्वारा उपरोक्त वाहन के सम्बन्ध में आर.टी.ओ.कार्यालय बाराबंकी से अभिलेख प्राप्त किया गया।

घर में था दोष, दूर करने के लिए दादा ने की पोते की हत्या, शव के टुकड़े कर फेंके... पुलिस की पूछताछ में बताई कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां तांत्रिक के कहने पर दादा ने अपने पोते की हत्या कर दी। पोते की पहचान पीयूष के रूप में हुई है, उसकी उम्र 17 साल बताई जा रही है। यह वारदात औद्योगिक थाना क्षेत्र के हाईटेक सिटी के लवायन कुरिया गांव के पास की है। सोमवार को स्कूल जाते समय पीयूष को अगवा कर लिया गया था। इसके बाद तांत्रिक के बताए मुताबिक तंत्र-मंत्र किया गया। बाद में उसकी हत्या कर दी।

हत्या के बाद आरोपी यहीं नही रुके। उन लोगों ने उसका हाथ-पैर और सिर काट दिया। इसके बाद वे उसके हाथ और पैर को करेड़ा जंगल में और सिर को स्कूटी पर रखकर औद्योगिक क्षेत्र के नाले में ले जाकर फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी दादा सरन सिंह को गिरफ्तार कर भेज दिया है। इस दौरान परिजन तीन दिन से अपने बच्चे की तलाश कर रहे थे।

पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज

मृतक पीयूष की मां कामिनी ने पुलिस से बताया कि सोमवार सुबह साढ़े 8 बजे बेटा स्कूल जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन वह वापस नहीं आया। स्कूल में फोन कर ने पर उन्होंने बताया कि पीयूष आज स्कूल नहीं आया। इसके बाद मामले मैने थाने पहुंचकर पुलिस में पीयूस के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

मामले का पता चलने पर पुलिस ने दो टीमें बनाकर मामले की जांच शुरू की। इस दौरान पुलिस ने 200 से भी ज्यादा सीसीटीवी खंगाले। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इसी जांच पड़ताल के दौरान पुलिस को एक महिला ने बताया कि उसने एक व्यक्ति को नाले ने शव फेंकते हुए देखा है। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी से आरोपी सरन सिंह की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

ग्रह दोष खत्म करने के लिए की हत्या

मामले में पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की तो चौकाने वाला मामला सामने आया। उसे बताया कि कुछ समय पहले मेरे बेटी और बेटे ने आत्महत्या कर ली थी। इसकी वजह से वह परेशान था। इस बीच उसे एक तांत्रिक मिला। उस तांत्रिक ने उससे कहा कि तुम्हारे ऊपर ग्रह दोष हो है। अगर इस दोष को खत्म करना चाहते हो तो अपने बेटे या बेटी उम्र के किसी किशोर की बलि दे दो सब ठीक हो जाएगा। इसी के चलते उसने पीयूस की बली देन की योजना बनाई। उसने बताया कि वो कई दिनों से उसे किडनैप करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वो इसमें असफल रहा। उसने बताया कि मंगलवार को जब वह स्कूल के लिए निकला तो मैंने उसे पीछे से दबोच लिया और फिर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने शव किया बरामद

जांच के दौरान पुलिस ने मृतक के धड़ को नाले से बरामद किया। साथ ही घटनास्थल से पुलिस के काले रंग की पोलीथीन और इत्र भी मिला है। आरोपी की निशानदेही पर बच्चे के हाथ और पैर को घर से 10 किमी दूर करेड़ा के जंगल से बरामद किया गया। पीयूष के बड़े भाई ने बताया कि इसका दादा पहले चोरी किया करता था। बाद में वो प्रॉपर्टी का काम करने लगा। उसने सके बेटा और बेटी की मौत के बाद वह तंत्र मंत्र करने लगा।

मृतक के परिवार में कौन

मृतक पीयूष 11वीं का छात्र था। वह करेली के सरस्वती विद्या मंदिर में पढ़ता था। उसके पिता अजह सिंह की पहले ही मौत हो चुकी है। उसके परिवार में मां कामिनी 2 बड़े बाई सामीर सिंह और ध्रुव है। वह सदियापुल गुरुद्वारे के पास रहता था। इसका दादा सरन सिंह भी उसकी घर के पड़ोस में रहता है। जो फिलहाल पुलिस कि गिरफ्त में है।

डीएम और एसपी ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। शुक्रवार को जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने संयुक्त रूप से जिला कारागार बाराबंकी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने सबसे पहले कारागार के मुख्य द्वार पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया इसके बाद अधिकारीगण जेल के भीतरी परिसर में पहुँचे और वहाँ की समग्र साफ-सफाई एवं अनुशासन व्यवस्था का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जेल की बैरकों का गहन निरीक्षण किया। जहाँ अधिकारियों ने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय एवं स्वच्छता की स्थिति का परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यह भी देखा गया कि बंदियों को भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक वस्तुएँ समय से मिल रही हैं अथवा नहीं। दोनों अधिकारियों ने महिला बैरक और किशोर सदन का भी निरीक्षण किया, जहाँ 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग के किशोर बंदी रखे जाते हैं। वहाँ उन्होंने सुरक्षा प्रबंध, अनुशासन व्यवस्था तथा उपलब्ध संसाधनों की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारी द्वय ने बंदियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएँ और सुझाव सुने।अधिकारियों ने जेल प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएँ निर्धारित मानकों के अनुसार नियमित रूप से संचालित हों। उन्होंने कहा कि बंदियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रत्येक स्तर पर सतर्कता और संवेदनशीलता बनाए रखी जाए। साथ ही, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस अवसर पर जेल अधीक्षक श्री कुंदन कुमार, जेलर श्री राजेन्द्र कुमार सहित कारागार के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सच्चा दोस्त या जहरीला रिश्ता? ऐसे करें बेस्ट फ्रेंड और टॉक्सिक फ्रेंड में फर्क

कुछ संकेत ऐसे होते हैं जो साफ बताते हैं कि सामने वाला आपका सच्चा हमसफर है या केवल अपनी जरूरतों के लिए जुड़ा हुआ। इस लेख में बेस्ट फ्रेंड और टॉक्सिक फ्रेंड्स के बीच फर्क को समझें।

दोस्ती जीवन का सबसे खूबसूरत रिश्ता माना जाता है। एक अच्छा दोस्त हमारे दुख-सुख में साथ खड़ा रहता है, हमें समझता है और हमारी अच्छाइयों व कमियों के बावजूद हमें स्वीकार करता है। लेकिन हर दोस्ती सच्ची नहीं होती। कई बार हम ऐसे दोस्तों के साथ जुड़ जाते हैं जो दिखने में तो करीब होते हैं, लेकिन धीरे-धीरे हमारे आत्मविश्वास, खुशियों और जीवन की शांति को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे दोस्त टॉक्सिक फ्रेंड्स (Toxic Friends) कहलाते हैं।

अच्छे और जहरीले दोस्त में फर्क समझना जरूरी है, क्योंकि जहां बेस्ट फ्रेंड आपकी ताकत बनता है, वहीं टॉक्सिक फ्रेंड धीरे-धीरे आपकी कमजोरी का कारण बनता है। पहचान पाना आसान नहीं, लेकिन कुछ संकेत ऐसे होते हैं जो साफ बताते हैं कि सामने वाला आपका सच्चा हमसफर है या केवल अपनी जरूरतों के लिए जुड़ा हुआ। इस लेख में बेस्ट फ्रेंड और टॉक्सिक फ्रेंड्स के बीच फर्क को समझें।

सपोर्ट बनाम ईर्ष्या

एक बेस्ट फ्रेंड आपकी सफलता पर गर्व महसूस करता है और मुश्किल वक्त में हौसला देता है। वहीं, टॉक्सिक फ्रेंड आपकी तरक्की से जलन महसूस करता है और उसे कमतर दिखाने की कोशिश करता है।

ईमानदारी बनाम चालाकी

सच्चा दोस्त आपको सच्चाई बताएगा, भले वह कड़वी ही क्यों न हो। वह आपके साथ सच्चा और ईमानदार रहता है लेकिन टॉक्सिक फ्रेंड अपने फायदे के लिए आपको मेन्यूपुलेट करता है। सच छुपाता है और चालाकी से अपना काम निकालता है।

प्रेरणा बनाम नकारात्मकता

बेस्ट फ्रेंड आपकी सोच और ऊर्जा को सकारात्मक बनाता है। वह आपको बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है। उसकी मौजूदगी में आप खुद को बेहतर महसूस करते हैं। इसके उलट, टॉक्सिक फ्रेंड हमेशा नेगेटिव बातें करता है, आपकी खुशियों को कम करता है और मानसिक बोझ बढ़ाता है।

सम्मान बनाम कंट्रोल

अच्छा दोस्त आपकी पर्सनल स्पेस और फैसलों की इज्जत करता है। लेकिन टॉक्सिक फ्रेंड हर चीज पर कंट्रोल करना चाहता है। आप किससे मिलें, क्या करें, ये तय करने की कोशिश करता है।

दीर्घकालीन भरोसा बनाम अल्पकालीन उपयोगिता

सच्चा दोस्त समय के साथ और भी भरोसेमंद बनता है, उसके साथ रिश्ता गहरा होता जाता है। हालांकि टॉक्सिक फ्रेंड सिर्फ तब याद करता है जब उसे कोई काम हो और बाकी वक्त गायब हो जाता है।

घिस चुके नॉन-स्टिक बर्तन पर खाना पकाने से क्या होता है? एक्सपर्ट से जानें हर चीज

नॉन स्टिक बर्तन का इस्तमेाल आज कल आम हो गया है। इसमें खाना कम तेल में भी बिना चिपके बन जाता है। ऐसे में लोग इसका खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर आप खराब कोटिंग वाले नॉन स्टिक बर्तन का इस्तेमाल करते हैं तो इससे सेहत पर कई गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं।

आज कल घरों में नॉनस्टिक बर्तनों का खूब इस्तेमाल किया जा रहा है। कढ़ाई से लेकर प्रेशर कुकर और तवे भी नॉस्टिक वाले यूज हो रहे हैं। ये ऐसे बर्तन होते हैं, जिसमें खाना चिपकने की टेंशन नहीं होती है। इन बर्तनों में पॉलीटेट्राफ्लुओरोएथिलीन (PTFE) नाम के धातू की कोटिंग की जाती है। इसे टेफ्लॉनकी कोटिंग नाम से भी जाना जाता है। वहीं, कुछ नॉन-स्टिक बर्तनों में सिरेमिक कोटिंग का भी यूज किया जाता है। ये खाने को चिपकने से बचाता है।

हालांकि, अगर आप नॉनस्टिक बर्तन में स्टील या एल्युमिनियम चम्मच का इस्तेमाल करते हैं तो बर्तन की कोटिंग खुरदरी हो जाती है। ऐसे में कई लोग इसका लगातार इस्तेमाल करते रहते हैं, जो सेहत के लिए अच्छा नहीं है। अगर आप भी खराब कोटिंग वाले नॉन स्टिक बर्तन में खाना बना रहे हैं तो सावधान होने की जरूरत है। चलिए एक्सपर्ट से जानते हैं कि इसका सेहत पर क्या असर पड़ सकता है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

SGT यूनिवर्सिटी गुरुग्राम के फॉरेंसिक डॉ। भुपेश कुमार शर्मा बताते हैं कि, नॉन-स्टिक बर्तनों पर जो टेफ्लॉन (PTFE coating) होती है। जब वो कोटिंग खुरच जाती है तो उसमें से माइक्रोस्कोपिक पार्टिकल्स निकलते हैं और ये आपके खाने में मिल जाते हैं। खाने के साथ ये शरीर में जाते हैं, जो कई तरह की समस्याएं पैदा कर सकते हैं। जैसे फीवर आना और बदन दर्द होना। इसे Polymer fume fever भी कहते हैं।

ये खतरा तब ज्यादा होता जब आप पैन को बहुत ज्यादा गर्म करते हैं। इससे हार्मफुल केमिकल (PFAS) निकलते हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि पीटीएफई-कोटेड कुकवियर से कई तरह की गैस और केमिकल निकलते हैं जो खाने में मिलकर टॉक्सिसटी को बढ़ा सकते हैं। इससे हार्मोन्स बिगड़ते हैं, इम्यून सिस्टम कमजोर होता है और कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती हैं। इसलिए जब भी आपके नॉन-स्टिक बर्तन की कोटिंग खराब हो तो उसका इस्तेमाल करना बंद कर दें।

नॉन-स्टिक बर्तन को खराब होने से कैसे बचाएं?

नॉन-स्टिक बर्तन की कोटिंग खराब होने से बचाने के लिए आप हमेशा लड़की या सिलिकॉन की करछी का इस्तेमाल करें। इसके अलावा खाली पैन को कभी भी तेज आंच पर न रखें। गर्म बर्तन को सीधा पानी में न डालें। इसके अलावा नॉन-स्टिक बर्तन को धोते समय लोहे के जूने का इस्तेमाल न करके स्पंज का यूज करें। अगर कोटिंग काफी छिल गई है तो नया पैन लेना ही बेहतर है।

दांतों की सुरक्षा के लिए अपनाएं ये 5 आदतें, बनी रहेगी चमक

दांतों की सुरक्षा के लिए रोजाना कुछ खास आदतों को अपनाना जरूरी है। इनसे न केवल दांतों की चमक बनी रहती है, बल्कि मुंह की दुर्गंध और अन्य समस्याओं से भी बचाव होता है। रोजाना की जाने वाली ये आदतें आपके दांतों को मजबूत और स्वस्थ रखती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही आदतों के बारे में बताएंगे, जिनसे आप अपने दांतों को सुरक्षित रख सकते हैं और उनकी चमक बनाए रख सकते हैं।

रोजाना ब्रश करें

रोजाना दो बार ब्रश करना सबसे जरूरी आदत है, जो आपके दांतों को सुरक्षित रखने में मदद करती है। सुबह और रात को सोने से पहले ब्रश करना चाहिए ताकि गंदगी और बैक्टीरिया हट जाएं। सही तरीके से ब्रश करने से दांतों की चमक बनी रहती है और कीड़ा लगने का खतरा कम होता है। इसके लिए मुलायम ब्रिसल वाले ब्रश का उपयोग करें और फ्लोराइड वाले टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें।

फ्लासिंग करें

ब्रश करने के साथ-साथ फ्लासिंग करना भी जरूरी है क्योंकि ब्रश सभी जगहों तक नहीं पहुंच पाता। फ्लासिंग से उन जगहों तक पहुंचा जा सकता है, जहां ब्रश नहीं पहुंच पाता है। यह प्रक्रिया दांतों के बीच फंसे खाने के टुकड़ों और गंदगी को हटाने में मदद करती है, जिससे कीड़ा लगने का खतरा कम होता है। फ्लासिंग करने से दांतों की चमक बनी रहती है और मसूड़ों की सेहत भी बेहतर होती है।

माउथवाश का उपयोग करें

ब्रश और फ्लासिंग के बाद मुंह धोना बहुत जरूरी है क्योंकि यह प्रक्रिया मुंह की सफाई को पूरा करती है। इसके लिए एंटी-बैक्टीरियल माउथवाश का उपयोग करें, जो बैक्टीरिया को खत्म करता है और ताजगी प्रदान करता है। मुंह धोने से मुंह की दुर्गंध भी दूर होती है और दांतों की चमक बनी रहती है। नियमित रूप से मुंह धोने से गंदगी और कीड़ा लगने का खतरा भी कम होता है, जिससे आपके दांत स्वस्थ रहते हैं।

शक्कर का सेवन कम करें

शक्कर का अधिक सेवन करने से कीड़ा लगने का खतरा बढ़ जाता है इसलिए इसे कम करना चाहिए। इसके बजाय फल, नट्स या अन्य स्वस्थ चीजें चुनें जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हों। शक्कर युक्त खाने-पीने की चीजों का सेवन करने से बैक्टीरिया बढ़ते हैं, जो दांतों की सेहत को प्रभावित करते हैं। इस प्रकार आप अपने दांतों को सुरक्षित रख सकते हैं और उनकी चमक बनाए रख सकते हैं।

धूम्रपान न करें

धूम्रपान करने से न केवल आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है बल्कि यह आपके दांतों की चमक को भी प्रभावित करता है। धूम्रपान करने से दांत पीले पड़ जाते हैं और मुंह की दुर्गंध भी होती है। इसलिए धूम्रपान से दूरी बनाना ही बेहतर है। अगर आप धूम्रपान करते हैं तो इसे छोड़ने की कोशिश करें या कम करने का प्रयास करें ताकि आपके दांत स्वस्थ रहें और उनकी चमक बनी रहे।

ऑनलाइन गेमिंग से हुई कमाई आईटीआर में दिखाना जरूरी, ये गलती पड़ सकती है भारी!

ऑनलाइन गेमिंग पर केंद्र सरकार का शिकंजा कसता जा रहा है। ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक लोकसभा से पास हो गया है। इसका उद्देश्य सोशल गेम्स और ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना है, जबकि मनी गेम्स को नियंत्रित करना है। ऐसे खेलों से हुई कमाई को अब आईटीआर में दिखाना अनिवार्य है, नहीं तो कार्रवाई हो सकती है।

ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार एक नया विधेयक लेकर आई है, जिसका नाम है ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक। यह विधेयक लोकसभा में पारित हो चुका है। इस कानून का उद्देश्य यह है कि ऑनलाइन सोशल गेम्स और ई-स्पोर्ट्स को प्रोत्साहित किया जाए, जबकि ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र को एक नियामित दायरे में लाया जाए।

विधेयक के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति ऑनलाइन मनी गेम खेलता है, तो उसे कोई सजा नहीं दी जाएगी। लेकिन जो कंपनियाँ ऐसे खेल उपलब्ध कराती हैं, उनका प्रचार करती हैं, या उन्हें आर्थिक रूप से सहयोग देती हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में अगर आपने अब तक किसी ऑनलाइन गेम के ज़रिए पैसे कमाए हैं, तो उस कमाई को आयकर रिटर्न (ITR) में दिखाना जरूरी हो गया है। ऐसा न करने पर आपके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है और आप कानूनी मुसीबत में फंस सकते हैं।

आईटीआर में ऑनलाइन गेमिंग आय कैसे दिखाएं?

ऑनलाइन गेमिंग से कमाई को Income from Other Sources के तहत दिखाना होता है। यह वही श्रेणी है जिसमें लॉटरी, गिफ्ट या ब्याज से हुई आय भी आती है। इसलिए अगर आपने ऑनलाइन गेम से पैसा कमाया है, तो इसे सीधे इस कैटेगरी में शामिल करें। इससे टैक्स विभाग को आपकी कमाई का सही पता चलता है और नियमों का उल्लंघन नहीं होता।

ऑनलाइन गेमिंग पर कितना टैक्स देना होगा?

आयकर कानून की दो प्रमुख धाराएं ऑनलाइन गेमिंग पर लागू होती हैं।

1- धारा 115BBJ: पिछले वित्तीय वर्ष की नेट जीत (Net Winning) पर 30% टैक्स देना होगा। यानी जो भी राशि आपने गेम खेलकर जीती है, उसका 30% सरकार को टैक्स के रूप में देना होगा। यह टैक्स सीधे कटता है और इसमें कोई छूट या छूट नहीं मिलती।

2- धारा 194BA: आपकी गेमिंग कमाई पर TDS (Tax Deducted at Source) भी 30% की दर से कटेगा। अगर गेमिंग कंपनी या प्लेटफॉर्म ने आपके खाते से पहले ही टैक्स काट लिया है, तो आपको अपनी ITR में यह विवरण फॉर्म 26AS के माध्यम से दिखाना होगा।

टैक्स रिटर्न भरते वक्त ध्यान रखें ये बात

अगर आपके गेमिंग खाते से पहले ही TDS कट चुका है, तो उसका रिकॉर्ड आपको फॉर्म 26AS में मिलेगा। यह डिटेल्स फॉर्म 16A के जरिए भी आती हैं। इन जानकारियों को आप अपने ITR के Schedule TDS सेक्शन में भरना जरूरी है, ताकि टैक्स क्लीयर हो और आप दोबारा टैक्स न चुकाएं।

गेमिंग में नुकसान हुआ तो क्या करें?

अगर गेमिंग में नुकसान भी हुआ है, तो उसे अपनी गेमिंग आय से घटाया जा सकता है। यानी अगर आपने कुछ राशि जीती है और कुछ हारी भी है, तो नुकसान वाली रकम को कुल जीत से घटाकर टैक्स देना होगा। लेकिन इस नुकसान और आय का सही ढंग से ITR में उल्लेख करना जरूरी है।

नए बिल से सरकार का मकसद क्या है?

नया Promotion and Regulation of Online Gaming Bill 2025 सिर्फ टैक्स लगाने के लिए नहीं है। इसका मकसद ऑनलाइन गेमिंग के बढ़ते मामलों को नियंत्रित करना भी है। इस बिल के तहत नकली गेमिंग, मनी लॉन्ड्रिंग, फ्रॉड, और लत जैसी समस्याओं को रोकने की कोशिश की जाएगी। इसके साथ ही ऑनलाइन गेमिंग को प्रमोट या एडवर्टाइज करने पर भी रोक लगाई जाएगी।

भारत पीपीपी में 2038 तक बन सकती है दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रय शक्ति समता (पीपीपी) में भारत 2038 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। यह जानकारी बुधवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।

क्रय शक्ति समता एक आर्थिक सिद्धांत है जो विभिन्न देशों में वस्तुओं और सेवाओं की एक मानक टोकरी की लागत की तुलना करके मुद्राओं के सापेक्ष मूल्य को मापता है।

आईएमएफ के अनुमानों पर आधारित ईवाई रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 2030 तक 20.7 ट्रिलियन डॉलर (पीपीपी के संदर्भ में) तक पहुंच सकती है, जो अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान से बेहतर स्थिति है।

सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत 2025 में 28.8 वर्ष की औसत आयु और दूसरी सबसे ऊंची बचत दर के साथ सबसे आगे है।

सरकार का डेट-टू-जीडीपी अनुपात 2024 के 81.3 प्रतिशत से घटकर 2030 तक 75.8 प्रतिशत होने का अनुमान है।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन 2030 तक अनुमानित 42.2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था (पीपीपी) के साथ सबसे आगे होगा, लेकिन उसकी वृद्ध होती जनसंख्या और बढ़ता ऋण उसके लिए प्रमुख चुनौतियां हैं।

अमेरिका अभी भी मजबूत बना हुआ है, लेकिन उसे जीडीपी के 120 प्रतिशत से अधिक के ऋण स्तर और धीमी विकास दर का सामना करना पड़ रहा है।

ईवाई की रिपोर्ट के अनुसार, जर्मनी और जापान, हालांकि एडवांस अर्थव्यवस्थाएं हैं, उच्च मध्य आयु और वैश्विक व्यापार पर भारी निर्भरता के कारण विकास सीमित रहेगा।

दूसरी ओर, भारत में युवा जनसांख्यिकी, बढ़ती घरेलू मांग और एक स्थायी राजकोषीय दृष्टिकोण है।

ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डीके श्रीवास्तव के अनुसार, भारत की तुलनात्मक शक्तियां, इसका युवा और कुशल कार्यबल, मजबूत बचत और निवेश दरें, और अपेक्षाकृत टिकाऊ ऋण प्रोफाइल अस्थिर वैश्विक परिवेश में भी उच्च विकास दर को बनाए रखने में मदद करेंगे।

भारत के 2028 तक बाजार विनिमय दर के संदर्भ में जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का भी अनुमान है। देश की प्रगति की गति न केवल जनसांख्यिकी, बल्कि संरचनात्मक सुधारों और मजबूत आधार द्वारा भी सुदृढ़ होती है।

जानें हर लीटर पर आपकी जेब से कितना मुनाफा कमा रही तेल कंपनियां? आंकड़े कर देंगे हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तरफ जहां अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे आ गई हैं, वहीं देश में आम आदमी को पेट्रोल और डीजल की ऊंची कीमतों से कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। एक हालिया रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि इस स्थिति का सीधा फायदा देश की सरकारी तेल कंपनियों को मिल रहा है, जो पेट्रोल और डीजल की हर लीटर की बिक्री पर बंपर मुनाफा कमा रही हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 में तेल विपणन कंपनियों (ह्लरूष्टह्य) का मुनाफा आसमान छू रहा है। रिपोर्ट में सामने आया है कि देश की तेल कंपनियां एक लीटर पेट्रोल पर 11.2 रुपए का भारी मुनाफा कमा रही हैं, जबकि एक लीटर डीजल पर यह कमाई 8.1 रुपए प्रति लीटर है। कंपनियों के इस जबरदस्त मुनाफे का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट है, जिसका लाभ आम जनता तक नहीं पहुंचाया जा रहा है।

यह सवाल इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि देश के ज्यादातर हिस्सों में पेट्रोल की कीमत 90 रुपये प्रति लीटर से ऊपर बनी हुई है, जबकि कई राज्यों में यह 100 रुपये का आंकड़ा भी पार कर चुकी है। कच्चे तेल के दाम कम होने के बावजूद आम लोगों को इसका फायदा नहीं मिला है और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई कटौती नहीं की गई है। आंकड़ों पर नजर डालें तो आखिरी बार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली कटौती करीब डेढ़ साल पहले, साल 2024 में की गई थी। उस समय कीमतों में 2 से 3 रुपये की कमी की गई थी, लेकिन उसके बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार गिरावट के बावजूद देश में कीमतें जस की तस बनी हुई हैं।

पाकिस्तान से संघर्ष में मध्यस्थता के ट्रंप के दावे को खारिज करना भारत पर टैरिफ की वजह ; जेफरीज का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की हर ओर आलोचना हो रही है। कई अमेरिकी अर्थशास्त्री इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था और अमेरिकी विदेश नीति के लिए आत्मघाती कदम बता रहे हैं। वहीं, अब अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी जेफरीज ने अपनी एक हालिया रिपोर्ट में कहा है कि भारत पर अमेरिकी टैरिफ का कारण भारत-पाकिस्तान विवाद में मध्यस्थता के उनके दावे को स्वीकृति न मिलना है। जिसके कारण वे व्यक्तिगत तौर पर नाराज हो गए हैं और ऐसे कदम उठा रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने मई में दोनों देशों के बीच चार दिवसीय सैन्य तनाव के बाद अपने हस्तक्षेप का दावा किया था, लेकिन उन्हें भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को समाप्त करने का क्रेडिट नहीं मिला, जैसाकि वे चाहते थे। भारत ने ट्रंप के दावों को लगातार नकारते हुए पाकिस्तान के साथ संघर्ष में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को खारिज किया है। जेफरीज ने बताया कि भारी आर्थिक नुकसान के बावजूद इस रुख को भारत ने बरकरार रखा है।

ट्रंप के सलाहकार नवारो बड़बोलेपन से नहीं आ रहे बाज, बोले- भारत पर टैरिफ लगाकर रूस की लाइफलाइन काट रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो अपनी बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं और लगातार भारत पर हमला बोलते हुए 50 प्रतिशत टैरिफ को जायज ठहरा रहे हैं। पीटर नवारो ने सोशल मीडिया पर साझा कई पोस्ट में आरोप लगाया कि भारत, रूस से तेल खरीदकर फायदा उठा रहा है।

पीटर नवारो ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप का भारत से आने वाले सामान पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला लागू हो गया है। यह रूसी राष्ट्रपति पुतिन की वॉर मशीन की लाइफलाइन काटने जैसा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी उपभोक्ता ऊंची टैरिफ दरों के बावजूद भारतीय सामान खरीद रहे हैं। वहीं भारत उसी डॉलर का इस्तेमाल कर रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है।

पीटर नवारो ने बिना किसी आधार के भारत पर आरोप लगाते हुए कहा कि 'भारतीय रिफाइनरीज, अपने रूसी सहयोगियों के साथ मिलकर कच्चे तेल को रिफाइन करके फिर से ब्लैक मार्किट में बेचकर तगड़ा मुनाफा कमा रही हैं। इससे रूस की जेब में नकदी आ रही है, जो यूक्रेन युद्ध में रूस को वित्तपोषित कर रही है।' व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार नवारो यहीं नहीं रुके और अन्य ट्वीट में लिखा कि 'यूक्रेन युद्ध से पहले भारत, रूस से एक प्रतिशत से भी कम कच्चे तेल का आयात करता था, आज वह आयात बढ़कर 30 प्रतिशत से ज्यादा हो गया है, जो करीब 15 लाख बैरल प्रतिदिन है। यह बढ़ोतरी घरेलू मांग की वजह से नहीं हुई है बल्कि इससे भारतीय तेल कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं, जिसकी कीमत यूक्रेन के लोगों को चुकानी पड़ रही है।'

'रूसी तेल से मुनाफा कमा रहीं भारतीय तेल कंपनियां'

पीटर नवारो ने आरोप लगाते हुए कहा कि 'भारत की बड़ी तेल कंपनियों ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को रिफाइनिंग हब में बदल दिया है, जो रूस के लिए तेल से पैसा कमाने का जरिया बन गई हैं। भारतीय रिफाइनरी रूस से सस्ता तेल खरीद कर उसे यूरोप, अफ्रीका और एशियाई देशों को निर्यात कर रही हैं और निष्पक्षता के नाम पर प्रतिबंधों से भी बच रही हैं।' नवारो ने ये भी दावा किया कि भारत रूस के कच्चे तेल को रिफाइन करके हर दिन 10 लाख बैरल रिफाइन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करता है।

करेन जातीय विद्रोही संगठन को घोषित किया गया आतंकी संगठन ; चुनाव से पहले सेना का बड़ा कदम

नैपिडो। लंबे समय से गृहयुद्ध का दंश झेल रहे म्यांमार में सेना ने दिसंबर में चुनाव कराने का एलान किया है, लेकिन उससे भी पहले वहां की सैन्य सरकार ने प्रमुख जातीय विद्रोही संगठन करेन नेशनल यूनियन (KNU) को लेकर बड़ा कदम उठाया है। सेना ने केएनयू को आतंकी संगठन घोषित कर दिया। सैन्य सरकार के इस फैसले के बाद इस संगठन से जुड़े किसी भी व्यक्ति या उससे संपर्क रखने को अब गैरकानूनी माना जाएगा।

म्यांमार की सरकारी मीडिया ने सैन्य सरकार के इस एलान के बारे में बताया। उसने कहा कि केएनयू ने सामान्य नागरिक सुरक्षा, जान-माल और बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। जिसके कारण उसे आतंकी संगठन घोषित किया गया।

बता दें कि यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब सेना 28 दिसंबर से राष्ट्रीय चुनाव कराने की तैयारी कर रही है। आलोचकों का कहना है कि ये चुनाव सिर्फ तख्तापलट को वैध ठहराने का तरीका हैं, खासकर तब जब सेना ने आंग सान सू ची की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (NLD) को भंग कर दिया है।

केएनयू ने खारिज किया एलान, कहा- हमें परवाह नहीं

वहीं, दूसरी ओर केएनयू के प्रवक्ता प्रवक्ता पादोह साव ताव नी ने सेना के इस एलान को खारिज कर दिया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि समूह को इस घोषणा की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि सेना खुद अंतरराष्ट्रीय अदालतों में अपराधों के लिए दोषी ठहराई जा चुकी है। ऐसे में यह साबित करने की भी जरूरत नहीं है कि असली आतंकवादी और अंतर्राष्ट्रीय अपराधी कौन हैं, और गैरकानूनी संगठन कौन हैं।

केएनयू ने खाई है राष्ट्रीय चुनावों को बाधित करने की कसम

बता दें कि केएनयू ने 28 दिसंबर से शुरू होने वाले राष्ट्रीय चुनावों को बाधित करने की कसम खाई है। संगठन पहले ही चुनाव का बहिष्कार और विफल करने की चेतावनी दे चुका है, लेकिन अब इस नए आदेश से शांतिपूर्ण अभियान भी अपराध की श्रेणी में आ जाएंगे। सैन्य सरकार ने हाल ही में चुनावी कानून में प्रावधान किया है जिसके तहत चुनाव में बाधा डालने वालों को मृत्युदंड तक दिया जा सकता है।

अधिक स्वायत्तता के लिए लड़ रहा है केएनयू

केएनयू 1948 में म्यांमार के ब्रिटेन से स्वतंत्र होने के बाद से ही अधिक स्वायत्तता के लिए लड़ता रहा है। म्यांमार के दक्षिण-पूर्व में स्थित यह समूह 2021 में म्यांमार की निर्वाचित सरकार के सैन्य अधिग्रहण के बाद हुए गृहयुद्ध में सेना के खिलाफ विशेष रूप से भीषण लड़ाई में शामिल रहा है। इसका सशस्त्र धड़ा करेन नेशनल लिबरेशन आर्मी (KNLA) लोकतंत्र समर्थक युवाओं को ट्रेनिंग देता है। करेन सहित कई अल्पसंख्यक जातीय समूह दशकों से अधिक स्वायत्तता की मांग करते रहे हैं। 2015 में उन्होंने अर्ध-नागरिक सरकार के साथ युद्धविराम समझौता किया था, लेकिन 2021 की सत्ता-पलट के बाद उन्होंने सेना समर्थित शांति वार्ता का बहिष्कार कर दिया। केएनयू अब सेना की राजनीति से वापसी, संघीय लोकतंत्र की स्थापना और अंतरराष्ट्रीय दखल की मांग कर रहा है।

'ट्रंप अच्छी स्थिति में, फिर भी जरूरत पड़ी तो मैं राष्ट्रपति बनने को तैयार', उपराष्ट्रपति वेंस का अहम बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेहत को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अगर कोई 'खौफनाक हादसा' हो जाए, तो वह अमेरिका के राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभालने के लिए पूरी तरह तरह तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि ट्रंप व्हाइट हाउस में अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने के लिए अच्छी हालत में है।

यूएसए टुडे को दिए एक इंटरव्यू में वेंस ने याद किया कि जनवरी में जब वह पहली बार ओवल कार्यालय में दाखिल हुए तो वह वहां की भव्यता और शानदार इतिहास से बहुत प्रभावित हुए थे। 79 साल के ट्रंप की सेहत को लेकर उठ रहे सवालों पर वेंस ने कहा, राष्ट्रपति की सेहत बहुत अच्छी है... उनमें जबरदस्त ऊर्जा है। रिपब्लिकन नेता वेंस ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति की सेहत अच्छी है। वह अपना बाकी कार्यकाल पूरा करेंगे और अमेरिकी जनता के लिए बेहतरीन काम करेंगे।

ट्रंप की सेहत को चर्चा इसलिए तेज हो गई, क्योंकि हाल ही में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ मुलाकात के दौरान ट्रंप के हाथ पर एक बड़ा नीला निशान देखा गया था। ट्रंप ने जनवरी 2025 में 78 साल और सात महीने की उम्र में राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, जिससे वह अमेरिका के इतिहास में शपथ लेने वाले सबसे बुजुर्ग राष्ट्रपति बन गए। इससे पहले जो बाइडन ने 2021 में 78 साल और दो महीने की उम्र में पद संभाला था।

वेंस अमेरिका के इतिहास में तीसरे सबसे युवा उपराष्ट्रपति हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी खौफनाक हादसे में ट्रंप को कुछ हो जाए, तो वह जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने यूएसए से कहा, अगर, भगवान न करे, कोई बड़ी दुर्घटना होती है, तो मुझे नहीं लगता कि इससे बेहतर कोई प्रशिक्षण हो सकता है जो मैंने पिछले 200 दिनों में सीखा है। इस महीने की शुरुआत में ट्रंप ने वेंस को 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन आंदोलन का सबसे संभावित उत्तराधिकारी' कहा था, लेकिन वेंस ने 2028 में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की अटकलों को अभी तक नजरअंदाज ही किया है।

वेंस ने कहा कि ट्रंप ने व्हाइट हाउस को अच्छे तरीके से सजाया है और उन्हें ओवल कार्यालय की नई सजावट पसंद आई। उन्होंने बताया कि जनवरी में जब वह पहली बार व्हाइट हाउस में गए थे, तो वह पल उनके लिए बहुत खास था। उन्होंने कहा, वो एक अद्भुत अनुभव था। मैं ओवल कार्यालय की भव्यता और वहां बने ऐतिहासिक पलों से अभिभूत हो गया था। लेकिन अगर मैं ईमानदारी से कहूं, तो उस समय सर्दी का मौसम था, पर्दे बंद थे, माहौल कुछ अंधेरा और उदास सा था। यह उस व्यक्ति का कार्यस्थल है जो पूरी दुनिया के सबसे ताकतवर नेता की भूमिका निभाता है। इस जगह में थोड़ी और रोशनी होनी चाहिए। मुझे अच्छा लगा कि राष्ट्रपति ने उसमें बदलाव किया।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस की लॉन्चिंग; मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने किया आगाज

गांधीनगर, एजेंसी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में 2003 से शुरू हुई वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट से गुजरात ग्लोबल इंडस्ट्रियल मैप पर अग्रसर बना है। इतना ही नहीं; गुजरात ने विश्वभर के उद्योगों-निवेशकों के लिए गेट-वे टु द फ्यूचर की विशेष पहचान स्थापित की है। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में कहा कि हमें प्रधानमंत्री के दिशादर्शन में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के आयोजन से गुजरात की इमेज को 'वोकल फॉर लोकल' से और अधिक उजागर करने तथा विकास का लाभ राज्य के हर कोने में पहुंचाने की नई पहल करनी है।

सीएम पटेल गुरुवार को इस वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के लॉन्चिंग कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, कृषि मंत्री राघवजी पटेल और राज्य मंत्री श्री भीखूसिंह परमार की प्रेरक उपस्थिति में कॉन्फ्रेंस के लोगो, वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन की लॉन्चिंग भी की।

राज्य के हर प्रदेश की औद्योगिक-आर्थिक स्ट्रेंथ तथा निवेशों की सज्जता का प्लेटफॉर्म बनने वाली इस वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस की प्रथम कॉन्फ्रेंस आगामी 9 और 10 अक्तूबर को मेहसाणा में आयोजित होने वाली है। इसके बाद सौराष्ट्र, मध्य गुजरात तथा दक्षिण गुजरात क्षेत्रों में ऐसी रीजनल कॉन्फ्रेंस आयोजित होंगी। मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि गुजरात के हर प्रदेश की विशिष्ट प्रोडक्ट तथा पहचान है और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) की विशेष स्ट्रेंथ भी है। कुछ जिलों में तो ऐसा पोटेंशियल है कि उनमें देश के अन्य राज्यों से भी अनेक गुना अधिक इंडस्ट्रियल आउटपुट एवं प्रोडक्शन है।

उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात कृषि, मत्स्योद्योग, फूड प्रोसेसिंग, केमिकल-पेट्रोकेमिकल, जेम्स-ज्वैलरी, इंजीनियरिंग, फार्मा एवं टेक्सटाइल जैसे परंपरागत क्षेत्रों में हमेशा अग्रसर रहा है। प्रधानमंत्री के दिशादर्शन में अब गुजरात को नए उभरते तथा फ्यूचरिस्टिक सेक्टर्स सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, एयरोस्पेस, डिफेंस, ग्रीन एनर्जी में आत्मनिर्भरता के साथ लीडर बनाना है।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने कहा कि गुजरात में आयोजित गत वाइब्रेंट समिट में 45 हजार करोड़ रुपये का निवेश आया और 2600 से अधिक एमओयू हुए। इस सफल आयोजन के हिस्से के रूप में मुख्यमंत्री पटेल के नेतृत्व में हर जिले व तहसील तथा गुजरात के सुदूरवर्ती व्यक्ति को वाइब्रेंट गुजरात के साथ जोड़ने के लिए पुनः एक बार वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है। उद्योग आयुक्त पी. स्वरूप ने आगामी समय में आयोजित होने वाली वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इन सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर विकास की गति को वेग देना, रोजगार के अवसर सृजित करना और हर प्रदेश की विशिष्ट पहचान को उजागर करना है।

ये सम्मेलन राज्य के चार मुख्य क्षेत्रीय केंद्रों में आयोजित होंगे। इनमें उत्तर गुजरात के लिए मेहसाणा (9-10 अक्तूबर, 2025), कच्छ व सौराष्ट्र के लिए राजकोट (8-9 जनवरी, 2026), दक्षिण गुजरात के लिए सूरत (9-10 अप्रैल, 2026) तथा मध्य गुजरात के लिए वडोदरा (10-11 जून, 2026) शामिल हैं।

भूख हड़ताल पर मनोज जरांगे : मंत्री बोले– सरकार बातचीत को तैयार ; एमएलसी परिणय ने मांगों को असंवैधानिक करार दिया

मुंबई, एजेंसी। मराठों के लिए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की मांग को लेकर मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे की मुंबई में भूख हड़ताल शुरू हो गई है। इस बीच, उनके आंदोलन पर सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल और चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि राज्य सरकार मनोज जरांगे से बातचीत के लिए तैयार है। उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जा रहा है। जल संसाधन मंत्री और मराठा आरक्षण उप-समिति के अध्यक्ष राधाकृष्ण विखे पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि उनके पास जरांगे की मांगों का ज्ञापन है और इस पर जल्द ही चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि जरांगे मुंबई आ चुके हैं और उनका कहना है कि वे सरकार से बातचीत के लिए तैयार हैं। हम भी इसके लिए तैयार हैं। सरकार ने आरक्षण को कभी प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं माना।

विखे पाटिल ने आगे कहा कि सरकार ने इन मांगों को नजरअंदाज नहीं किया है। हैदराबाद राजपत्र के तहत कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है। अगर किसी को छोड़ दिया गया है, तो न्यायमूर्ति संदीप शिंदे समिति सुधारात्मक कदम उठाएगी। इसी तरह, अगर उनकी कुछ नई मांग हैं, तो उन पर भी चर्चा की जाएगी। बातचीत के जरिए ही समाधान निकालना होगा।

वहीं, भाजपा नेता और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने भी उनके आंदोलन को लेकर प्रतिक्रिया दी है। बावनकुले ने कहा कि सरकार ने समुदाय के कल्याण के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण और सारथी योजना जैसी पहल की है। लेकिन वह ओबीसी के हितों से समझौता नहीं करेगी।

भाजपा एमएलसी परिणय फुके ने दी चेतावनी

वहीं दूसरी ओर भाजपा विधान परिषद सदस्य परिणय फुके ने जरांगे की मांगों को असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि जरांगे की मांग मानने से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समूहों द्वारा बड़े विरोध प्रदर्शन शुरू हो जाएंगे। फुके ने चेतावनी देते हुए कहा कि जिस तरह से जरांगे ने मुंबई और राज्य सरकार को घेर रखा है, मुझे नहीं लगता कि राज्य को दबाव में आना चाहिए। लेकिन अगर सरकार इस दिशा में कोई कदम उठाती है, तो ओबीसी समुदाय इससे दस गुना बड़ा विरोध प्रदर्शन करेंगे।

तान्या मित्तल की अमीरी की खुली पोल? इस शख्स ने 'बिग बॉस 19' की कंटेस्टेंट के दावों को झुठलाया

'बिग बॉस 19' में तान्या मित्तल की अमीरी के किस्से इन दिनों काफी चर्चाओं में हैं। अब उनके इन्हीं दावों को लेकर बाहर मौजूद एक शख्स ने बात की है।

'बिग बॉस 19' में पहले दिन से ही इन्फलुएंसर तान्या मित्तल अपने दावों को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अब तक घर में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी बहुत बातें ऐसी कही हैं जिन्हें सुनने के बाद हर कोई हैरान है। तान्या के इन्हीं दावों पर अब बाहर एक शख्स ने झूठा कहा है। क्या वाकई तान्या बिग बॉस के घर में अपनी अमीरी को लेकर सिर्फ झूठ बोल रही हैं? क्या है पूरा मामला. चलिए जानते हैं।

तान्या मित्तल के दावों को झुठलाया

दरअसल रिएलिटी शो 'लव स्कूल' के एक्स कंटेस्टेंट और क्रिएटर माधव शर्मा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने तान्या के दावों को झूठा कहा है। उन्होंने कहा, 'मैंने पता लगा लिया है तान्या मित्तल कौन है, क्या करती है, कैसा सिस्टम रहता है उसका। सबसे पहले तो बॉडीगार्ड और सिक्योरिटी की बात कर लेते हैं। कार्तिक आर्यन ग्वालियर से हैं और आते-जाते रहते हैं। उनते माता-पिता वहीं रहते हैं। उन्हें आजतक किसी बॉडीगार्ड की जरूरत नहीं पड़ी।

माधव ने कहा, 'तान्या को ग्वालियर में कोई जानता तक नहीं है। जब मैंने पता लगाया इनके बारे में तो वो कह रहे हैं कि ये कौन है?' इसके अलावा माधव ने कहा कि उनकी फैक्ट्री और कारोबार भी इतना कोई बड़ा नहीं है जितना वो दावा कर रही है।

तान्या मित्तल ने लगाई आग

बता दें शो के नए एपिसोड में दिखाया गया कि तान्या मित्तल ने बड़ी चतुराई से कुनिका और गौरव के रिश्ते में दरार डाल दी। उन्होंने कुनिका के कान भरने शुरू किए। उन्होंने कुनिका से कहा कि उनका सबसे करीबी रिश्ता गौरव से है, लेकिन वो फिर क्यों आपको कैप्टन नहीं बनाना चाहते हैं। शुरुआत में कुनिका ने इस दावे को हल्के में लिया, लेकिन तान्या के लगातार बहकावे ने उन्हें गौरव पर शक करने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद कुनिका ने गौरव से पूछा और वो फंस गए।

तान्या ने उड़ाया मजाक

इसी बीच तान्या मित्तल ने बाहर जाकर इस बात का मजाक भी उड़ाया। उन्होंने जीशान कादरी से बातचीत के दौरान हंसते हुए मान लिया कि उन्होंने ही कुनिका को गौरव के खिलाफ भड़का दिया। उनकी इस चालाकी पर वो बेहद संतुष्ट दिखीं। हालांकि, दर्शकों और सोशल मीडिया पर फैन्स की प्रतिक्रिया अलग थी- बहुत से लोग तान्या के इस रवैये से नाराज हुए और सोशल मीडिया पर उन्हें 'विलेन' करार दे दिया।

मीरा और शाहिद कपूर का दिखा स्पोर्टी अंदाज, पिकलबॉल में हुआ दोनों का आमना-सामना

अभिनेता शाहिद कपूर ने अपनी पत्नी मीरा राजपूत संग पिकलबॉल खेला, जिनका दर्शकों ने भी खूब उत्साहवर्धन किया। ये जोड़ा एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था, जहां इनका स्पोर्टी अंदाज देखने को मिला। आइए देखें वीडियो।

शाहिद-मीरा के अंदाज ने दर्शकों का खींचा ध्यान

सोशल मीडिया पर कुछ वीडियोज सामने आए हैं, जिसमें शाहिद कपूर अपनी पत्नी मीरा राजपूत संग पिकलबॉल खेलते दिख रहे हैं। वीडियो में अभिनेता नीली टी-शर्ट और काले ट्रैक पैंट में बेहद आकर्षक दिख रहे हैं, जिसमें उन्हें पिकलबॉल पैडल पकड़े देखा जा सकता है। वहीं, दूसरी ओर मीरा कपूर गुलाबी रंग के आउटफिट में खूबसूरत अंदाज में दिख रही हैं। उन्होंने प्लीटेड स्कर्ट के साथ टॉप और जैकेट पहन रखा है और अपने पति शाहिद के साथ शानदार मुकाबला करती दिख रही हैं। इसके अलावा कोर्ट के चारों ओर जमा फैंस तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन कर रहे हैं।

फिटनेस जीवन की अभिन्न अंग है

मीरा राजपूत ने एएनआई से बात करते हुए कहा, 'फिटनेस और वेलनेस हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग रहे हैं। यह सिर्फ फिटनेस नहीं है, बल्कि यह प्रोजेक्ट मूवमेंट और जुनून का प्रतीक है, जिसने हमें अपने साथ जोड़ा है। काम के प्रति उनका अनुशासित दृष्टिकोण ही नहीं, बल्कि वेलनेस भी मेरे जीवन और मेरे व्यवसाय का एक अभिन्न अंग रहा है।'

कब हुई थी दोनों की शादी?

साल 2015 में अभिनेता शाहिद कपूर और मीरा राजपूत की शादी हुई थी। इन दोनों की अरेंज मैरिज थी। आपको बताते चलें कि उस समय मीरा की उम्र 20 वर्ष थी, जब इनका विवाह हुआ था। दंपत्ति के दो बच्चे हैं।

'पति पत्नी और पंगा' की टीम ने लिया बप्पा का आशीर्वाद, गुरमीत–देबिना के घर पर की पूजा

गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी ने इस साल पूरे उत्साह के साथ अपने घर में गणपति बप्पा का स्वागत किया। वहीं टीवी शो 'पति पत्नी और पंगा' की टीम उनके घर बप्पा का आशीर्वाद लेने पहुंची।

रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' इन दिनों दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। इस शो में टीवी और रीयल लाइफ की प्रसिद्ध जोड़ियां नजर आ रही हैं। आज 'पति पत्नी और पंगा' की टीम गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी के घर बप्पा का आशीर्वाद लेने पहुंची।

गुरमीत का पोस्ट

गुरमीत और देबिना ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा कीं, जिनमें शो के प्रतियोगी अविका गौर, मिलिंद चंदवानी, स्वरा भास्कर, फहाद अहमद, अभिषेक कुमार और ईशा मालवीय बप्पा के सामने उनके साथ पोज देते नजर आए। तस्वीरों में उनकी बेटियां लियाना और दिविशा भी दिखीं। इस पोस्ट के साथ गुरमीत ने लिखा, 'बप्पा के साथ सभी के साथ उत्सव मना रहा हूं... इस खुशी से बढ़कर कुछ नहीं। गणपति बप्पा मोरया'

गुरमीत और देबिना के बारे में

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गुरमीत और देबिना ने 2006 में गुपचुप शादी की थी। 2011 में उन्होंने अपनी शादी को आधिकारिक किया। उनकी पहली बेटी लियाना अप्रैल 2022 में और दूसरी बेटी दिविशा नवंबर 2022 में पैदा हुई।

पति पत्नी और पंगा शो

गुरमीत और देबिना इन दिनों रिएलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रहे हैं। इस शो को सोनाली बेंद्रे और मुनव्वर फारूकी होस्ट कर रहे हैं। 'पति-पत्नी और पंगा' 2 अगस्त को शुरु हुआ था। इस शो में टीवी कपल बतौर कंटेस्टेंट्स नजर आ रहे हैं। दर्शक भी इस शो को खूब पसंद भी कर रहे हैं। इस शो में देबिना बनर्जी और गुरमीत के अलावा रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, हिना खान और रॉकी जायसवाल, सुदेश लहरी और ममता लहरी, अविका गौर और मिलिंद चतुर्वेदी जैसी कई मशहूर जोड़िया नजर आ रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com